गैरसैंण, सोमवार
15 सितम्बर 2025
वर्ष: 17
अंक: 131 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

पहाड़ों में इन दिनों खूब बिक रही पहाड़ी ककड़ी

रुद्रप्रयाग। पहाड़ों में इन दिनों पहाड़ी ककड़ी खूब बिक रही है। बाजारों में ककड़ी लोगों को अपनी ओर आकर्षित तो कर ही रही है साथ ही ग्राहकों के कदम भी अपनी ओर खींच रही है। बड़ी मात्रा में लोग पहाड़ी ककड़ी का आनंद ले रहे हैं। मुख्यालय स्थित सब्जी विक्रेता हीरा सिंह नेगी बताते हैं कि यह पहाड़ी ककड़ी का पीक सीजन है। दूरस्थ ग्रामीण इलाकों से इसे बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है। पहाड़ी ककड़ी हमेशा से ही लोगों के सबसे पसंदीदा उत्पादों में रही है। हालांकि गांवों में अब इसकी पैदावार उस तेजी से नहीं हो रही है जिस तेजी से पहले होती रही है। लोग नमक के साथ ककड़ी का भरपूर लुत्फ ले रहे हैं। इधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि पहाड़ की ककड़ी की अपनी अलग ही बात है। इसका स्वाद बेहद ही स्वादिष्ट है।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत आठ पर मुकदमा

रुद्रपुर। एक महिला ने दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पति समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप लगाया कि दहेज नहीं दे पाने के कारण पति ने उसे तीन तलाक दे दिया। शनिवार को नूरी पत्नी जीशान निवासी वार्ड तीन इस्लामनगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पति समेत ससुरालीजन दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते हैं। उसकी दो पुत्रियां हैं। ससुरालीजन पुत्र नहीं होने पर ताना मारते हुए घर से निकालने की धमकी देते थे। आरोप लगाया कि 21 अगस्त को उसे उसके मायके छोड़ दिया। 10 सितंबर को उसका पति जीशान, उसके भाई शमशेर, निसार उर्फ पप्पू, शहनाज निवासी ग्राम शहदौरा, परवीन, आसिफ निवासी बहेड़ी, हनीफ आदि उसकी मां के घर आए। मां व आस–पड़ोस के लोगों के सामने तीन तलाक कहकर एकतरफा तलाक दे दिया। गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने बताया कि शनिवार को पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सितारगंज में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

रुद्रपुर। नगर के बिजटी चौक के पास खाली प्लॉट में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर एसएसआई विक्रम सिंह धामी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। रविवार दोपहर कुछ लोगों ने खाली प्लॉट में एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। एसएसआई धामी ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष के बीच है। शरीर पर किसी तरह की चोट के निशान नहीं मिले हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दो दिन पूर्व वह व्यक्ति नशे की हालत में आसपास घूमता नजर आया था। मृतक के पास कोई कागजात या पहचान से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

छोटे भाई ने बड़े भाई को दो मंजिल से फेंका नीचे, हालत गंभीर

हरिद्वार। पारिवारिक विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई को दो मंजिला इमारत की छत से नीचे धक्का दे दिया। घायल अवस्था में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रीतम कुमार निवासी मोहल्ला चाकलान ज्वालापुर ने पुलिस को बताया कि उनके दो बेटे प्रवीण सैनी (बड़ा) और अरविंद कुमार सैनी (छोटा) है। दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। आरोप है कि अरविंद अकसर प्रवीण को जान से मारने की धमकी देता था। छह सितंबर को प्रवीण शिवगंगा विहार कॉलोनी स्थित अपने कार्यालय में था। करीब 11:30 बजे अरविंद भी वहीं पहुंच गया। छत पर निर्माण कार्य चल रहा था, जिसे देखने के लिए प्रवीण ऊपर गया, तभी पीछे–पीछे अरविंद भी पहुंचा। प्रीतम कुमार का आरोप है कि छत पर दोनों के बीच कहासुनी और फिर हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान अरविंद ने प्रवीण को जोर से धक्का दे दिया, जिससे वह सीधे नीचे गिर गया। मौके पर मौजूद श्रमिक और कार्यालयकर्मियों ने उसे भूमानंद अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे रेफर कर दिया गया।

हरिद्वार में इंस्पेक्टर पर फायरिंग

घिरा तो बदमाश ने देहरादून में खुद को मार ली गोली

देहरादून। उत्तराखंड के हरिद्वार में मुठभेड़ के दौरान दरोगा को गोली मारकर फरार हुए बदमाश ने देहरादून में खुद को गोली से उड़ा लिया। पुलिस ने फरार बदमाश सुनीत कपूर को घेर लिया था।उससे सरेंडर करने को कहा गया लेकिन देहरादून के लक्ष्मण चौक के पास उसने खुद को गोली मार ली। सुनील हरियाणा में धोखाधड़ी और अन्य मामलों में वॉन्टेड चल रहा था। उसने शनिवार को हरिद्वार जिले में बस स्टैंड के पास मुठभेड़ के दौरान हरियाणा पुलिस के दरोगा को गोली मार दी थी।

इस घटना में उप निरीक्षक सुरेंद्र के पेट और हाथ में दो गोलियां लगी थीं। दरोगा का ऋषिकेश एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। दरोगा को गोली मारकर फरार हुए सुनील के खिलाफ पुलिस टीम के एक सदस्य पीएसआई मनीष कुमार ने केस दर्ज कराया गया था। सुनील ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से दरोगा को गोली मारी थी। इस घटना के बाद से ही हरिद्वार और हरियाणा की जींद पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही थी। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस टीम को देहरादून के लक्ष्मण चौक में अपने रिश्तेदार के यहां आरोपी सुनील के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद हरिद्वार और जींद पुलिस की तरफ से देहरादून पुलिस को अभियुक्त के संभावित ठिकाने की जानकारी साझा की गई। आरोपी के रिश्तेदार के घर पर छिपे होने की संभावना पर देहरादून पुलिस, जींद पुलिस और हरिद्वार पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश दी। पुलिस ने पाया कि आरोपी घर के कमरे में छिपा है। पुलिस ने आरोपी को सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन घिरा देख उसने खुद को गोली से उड़ा दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल की फोटोग्राफी वीडियो ग्राफी कराते हुए सबूत जमा करने की कार्रवाई की गई। पुलिस ने मृतक की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की ओर से इस मामले में अन्य कार्रवाई भी की जा रही है। वहीं एम्स ऋषिकेश में भर्ती दरोगा की हालत अब पहले से बेहतर बताई जा रही है।

महिला ने दिया एक साथ चार बच्चों को जन्म, अब सात बच्चों की बनीं मां

मुंबई ,महाराष्ट्र के सतारा ज़िले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहाँ कोरेगांव तालुका की रहने वाली 27 वर्षीय काजल विकास खाकुर्डिया ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। इनमें तीन बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। काजल को प्रसव पीड़ा होने पर क्रांतिसिंह नाना पाटिल सरकारी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों की टीम ने उनका सफलतापूर्वक सी–सेक्शन ऑपरेशन किया। डिलीवरी के बाद काजल और उनके चारों बच्चे स्वस्थ बताए जा रहे हैं, हालांकि बच्चों का वजन सामान्य से कम (1200 से 1600 ग्राम के बीच) होने के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया है। काजल की इससे पहले दो बार डिलीवरी कर चुकी हैं। पहली बार उन्होंने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था और दूसरी बार एक बेटी को। इस तरह अब तक तीन बार डिलीवरी में काजल सात बच्चों की मां बन चुकी हैं। काजल के पति विकास, जो मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं और पुणे में राजमिस्त्री का काम करते हैं, परिवार में आई इस खुशखबरी से बेहद उत्साहित हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदान की 136.68 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में जिला मुख्यालय के निकट मुडियानी में उद्यान फार्म बनाये जाने हेतु रू. 37.51 लाख तथा अमोडी में हाऊस ऑफ हिमालयाज के विपणन केन्द्र की स्थापना हेतु रू. 49.82 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र धर्मपुर में वार्ड 86, सेवला कलां के अन्तर्गत विभिन्न गलियों में पुरानी जीर्णशीर्ण पाईप लाईन बदलने हेतु रू. 60.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद बागेश्वर के विधानसभा क्षेत्र कपकोट के अन्तर्गत शिखर मूल नारायण परिसर अलखनाथ मंदिर किलपारा भनार बज्यैण, काण्डा सिमकुला, घटवारिया, शिव मंदिर सुंदर गुफा कांडा, बज्यैण मंदिर ढाई ईजर, नन्दा देवी मंदिर दोफाड़ को पर्यटन के रूप में विकसित किये जाने तथा अलखनाथ मंदिर किलपारा के सौन्दर्यीकरण हेतु रू. 58.64 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद टिहरी के विधानसभा क्षेत्र धनौल्टी के अन्तर्गत द्वारिकापुरी में यात्रियों के लिए यात्री विश्राम गृह बनाये जाने हेतु रू. 60.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में ग्रामीण पी.एच.सी. एवं एस.सी.(उपकेन्द्र) को स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र में परिवर्तित करने सम्बन्धी योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 में रू. 35.50 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में समस्त शहरी स्थानीय निकायों को अनाबद्ध/अनिर्दिष्ट अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम किस्त रू. 39.41 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में समस्त शहरी स्थानीय निकायों को आबद्ध अनुदान/निर्दिष्ट अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम किश्त रू. 59.11 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, दरांग में बोले पीएम मोदी

दरांग , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के दरांग जिले में 18,530 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर बहुत बड़ी सफलता थी और मुझे यहां आकर काफी खुशी हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दरांग में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेरा असम का पहला दौरा है। मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर बहुत बड़ी सफलता थी। आज मां कामाख्या की इस धरती पर आकर मुझे एक अलग ही पवित्र अनुभूति हो रही है और ये भी सोने पे सुहागा है कि आज इस क्षेत्र में जन्माष्टमी मनाई जा रही है। लाल किले से मैंने कहा था, मुझे चक्रधारी मोहन याद आए। मुझे श्री कृष्ण याद आए और मैंने भविष्य की सुरक्षा नीति में एक सुदर्शन चक्र का विचार लोगों के सामने रखा है।

पीएम मोदी ने कहा, हम भारत रत्न सुधाकंठा भूपेन हजारिका का जन्मदिन पहले ही मना चुके हैं। एक दिन पहले मुझे उनके सम्मान में आयोजित एक बहुत बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने मुझे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का एक वीडियो दिखाया और इसे देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जिस दिन भारत सरकार ने इस देश के महान सपूत, असम के गौरव, भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने–गाने वालों को भारत रत्न दे रहे हैं। 1962 में चीन के साथ युद्ध के बाद पंडित नेहरू ने जो कहा, उससे उत्तर पूर्व के लोगों के घाव आज भी नहीं भरे हैं।

उन्होंने भूपेन हजारिका का जिक्रकरते हुए कहा, मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं। लेकिन, जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। आप लोग मुझे बताएं कि क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा निर्णय सही है या गलत? क्या कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए किया गया अपमान सही है या गलत?

उन्होंने आगे कहा, पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है, खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं। उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है। इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है।

युवक के आत्महत्या प्रकरण में माता–पिता समेत पांच पर मुकदमा

हरिद्वार। पिता ने बेटी के ससुरालियों पर दामाद को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। आरोप लगाया कि परिवार की मर्जी के खिलाफ प्रेम विवाह करने से नाराज परिजनों ने युवक को लगातार मानसिक तौर पर परेशान किया, जिसके चलते उसने अपनी जान दे दी। रानीपुर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर माता–पिता सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अदालत में प्रार्थना पत्र देकर ग्राम गढ़ निवासी मेहरबान पुत्र हाफिज जिन्दा हसन ने बताया कि उनकी पुत्री मेहराना और जुनैद पुत्र इंतजार निवासी ग्राम इमलीखेडा, थाना कलियर ने प्रेम विवाह किया था। यह विवाह जुनैद के पिता इंतजार, माता रिहाना, भाई इश्तकार, तौसिफ और चाचा नौशाद हाफिज को स्वीकार नहीं था। निकाह के बाद जब जुनैद अपनी पत्नी मेहराना को लेकर पैतृक घर पहुंचा तो परिजनों ने दोनों के साथ दुर्व्यवहार कर घर से निकाल दिया। इसके बाद दोनों किराये के मकान में रहने लगे और फिलहाल सुमन नगर में रह रहे थे। मेहरबान का आरोप है कि कुछ माह पूर्व जुनैद के परिजनों ने बिना उसकी जानकारी के पैतृक संपत्ति को बेच दिया। जब जुनैद ने अपने हिस्से की धनराशि मांगी तो परिजनों ने उसे अपमानित करते हुए आत्महत्या करने तक की बात कह दी।

दो भाइयों की गोली मारकर हत्या

जौनपुर । मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के रामनगर में बीती रात कई बार फायरिंग करके बदमाशों ने बाइक सवार दो भाइयों की मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गये। रात में पुलिस चौकसी की पोल खुल गयी। इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते हैं कि रामनगर में शनिवार की देर रात बाइक सवार दो सगे भाई मुंगराबादशाहपुर से अपने घर जा रहे थे।

इसी दौरान वह रामनगर पहुंचे ही थे कि पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन्हें लक्ष्य कर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। कई राउंड गोलियां चलीं। इस घटना में एक भाई की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे भाई की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मझगांवा गांव निवासी 55 वर्षीय शाहजहां और उनके छोटे भाई 45 वर्षीय जहांगीर कोयला व्यापारी हैं। रात रास्ते में रामनगर गांव के पास मझिगवा मोड़ के निकट बेलवार मार्ग पर हुई। बताया जा रहा है कि पहले से ही घात लगाए बाइक बदमाश उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगे। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक पर बड़े भाई शाहजहां को बैठाकर घर जाते समय नकाबपोश एक बदमाश ने बाइक के आगे खड़ा हो गया। जब तक वे कुछ समझ पाते, पीछे से दूसरा बदमाश ताबड़तोड़ गोली चलाने लगा। मौके पर तुरंत बड़े भाई शाहजहां की मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक से बदमाश भाग निकले।जैसे ही दोनों भाइयों का शव मझगवा चंदौकी पहुंचा, तो पूरा गांव बिलख–बिलख कर रोने लगा। परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। दोनों भाइयों का एक साथ जनाजा निकला तो हर किसी की आंखें नम हो जाएंगी। घरों में चूल्हे नहीं जले और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

मेरे दिमाग की कीमत 200 करोड़ महीना, मैं दलाल नहीं, विरोधियों पर बरसे नितिन गडकरी

नागपुर , इथेनॉल नीति को लेकर हो रही आलोचनाओं का केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बेहद तीखे अंदाज में जवाब दिया है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा, मेरा दिमाग ही हर महीने 200 करोड़ की कीमत का है। मेरे पास पैसे की कोई कमी नहीं है और मैं कभी नीचे नहीं गिर सकता। एग्रीकोज वेलफेयर सोसाइटी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने स्पष्ट किया कि इथेनॉल को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों का कमाई से कोई लेना–देना नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह से किसानों के हित में है। उन्होंने कहा, आपको क्या लगता है कि ये सब मैं पैसे के लिए कर रहा हूं? मैं कोई दलाल नहीं हूं, ईमानदारी से कमाना जानता हूं। गडकरी ने कुछ राजनेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे लोगों को लड़ाकर फायदा उठाते हैं, लेकिन वह उनमें से नहीं हैं। विदर्भ में किसानों की आत्महत्या को एक शर्मनाक सच्चाई बताते हुए गडकरी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, मेरा भी घर–परिवार है। मैं कोई संत नहीं हूं। मुझे हमेशा लगता है कि विदर्भ में 10 हजार किसानों की आत्महत्या शर्म की बात है। जब तक हमारे किसान समृद्ध नहीं हो जाते, हम अपने प्रयास कम नहीं करेंगे।

अपने बेटे की कंपनी को लेकर लग रहे आरोपों पर सफाई देते हुए गडकरी ने कहा कि वह केवल आइडिया देने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा आयात–निर्यात का व्यापार करता है और कृषि क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, मेरे बेटे ने ईरान से 800 कंटेनर सेब मंगवाए और यहां से 100 कंटेनर केले भेजे। उसने गोवा से 300 कंटेनर मछलियां सर्बिया को सप्लाई कीं और ऑस्ट्रेलिया में दूध उत्पादों की फैक्ट्री भी लगाई है।

गडकरी ने आगे बताया कि उनका बेटा आईटीसी के साथ मिलकर 26 चावल मिलें चलाता है। उन्होंने कहा, मुझे (अपने उद्योग के लिए) पांच लाख टन चावल के आटे की जरूरत पड़ती है। इसलिए वह मिल चलाता है और मैं उससे आटा खरीद लेता हूं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का उदाहरण है कि व्यापार में रुचि रखने वाले लोग कृषि क्षेत्र में कैसे अवसर पैदा कर सकते हैं।

पलामू में सुरक्षाबलों और टीपीसी नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 5 लाख का इनामी ढेर

पलामू , झारखंड के पलामू जिले के मनातू जंगल में रविवार को सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी) के बीच हुई मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली मुखदेव यादव मारा गया। जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने 10 लाख के इनामी कमांडर शशिकांत को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। कोबरा, झारखंड जगुआर और अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम जब कॉम्बिंग कर रही थी, तभी नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मुखदेव यादव मारा गया। मुखदेव पर कई गंभीर मामले दर्ज थे और वह तीन सितंबर को पलामू में हुई उस मुठभेड़ में भी शामिल था, जिसमें पुलिस के दो जवान शहीद हुए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार का अभियान अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है, जिसमें 200 से अधिक सुरक्षाकर्मी शामिल रहे। शशिकांत के दस्ते में 8 से 10 सदस्य होने की जानकारी मिली है, जिनमें मुखदेव और एक अन्य इनामी नक्सली नगीना भी शामिल था। इसके पहले 7 सितंबर को पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बुर्जुवा पहाड़ी पर मुठभेड़ में पुलिस और सुरक्षा बलों ने दस लाख के इनामी नक्सली अमित हांसदा उर्फ अपटन को ढेर कर दिया था।

पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ का बड़ा एक्शन — 3 तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन और ड्रोन बरामद

चंडीगढ़ ,पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में नशे और ड्रोन तस्करी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर 3 तस्करों को गिरफ्तार किया, साथ ही ड्रोन और बड़ी मात्रा में हेरोइन भी जब्त की है।

यह ऑपरेशन अमृतसर, तरनतारन और फिरोजपुर सेक्टरों में किए गए, जिनमें बीएसएफ जवानों ने सटीक खुफिया जानकारी पर त्वरित कार्रवाई की। इस बात की जानकारी बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल के जरिए दी। अमृतसर जिले में गांव रत्तनखुर्द के पास संदिग्ध ड्रोन गतिविधि देखी गई। बीएसएफ जवानों ने तत्काल इलाके को घेरते हुए तलाशी अभियान चलाया, जिसमें 590 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

इसके कुछ घंटे बाद, तरनतारन जिले के गांव कलसियां के पास एक तस्कर को 560 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया। इसके अलावा, नौशेरा धल्ला इलाके में 600 ग्राम हेरोइन जमीन में छिपाई गई हालत में मिली, जिसे जवानों ने जब्त कर लिया। फिरोजपुर सेक्टर में एक दिन पहले की गई बड़ी कार्रवाई में बीएसएफ ने 9 पैकेट हेरोइन बरामद की थी और 2 तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद भी ऑपरेशन जारी रहा। हुसैनीवाला बैराज के पास जवानों ने एक ड्रोन बरामद किया, जिसका इस्तेमाल नशीली दवाओं की तस्करी के लिए किया गया था।

इसके अलावा, खलरा इलाके में दो संदिग्ध तस्करों को पकड़ा गया, जो एक ड्रोन द्वारा गिराए गए पैकेट को लेने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के आधिकारिक एक्स पोस्ट के अनुसार, ये लगातार चलाए गए ऑपरेशन देश की सीमाओं की सुरक्षा और मादक पदार्थों के खतरे को रोकने में बीएसएफ की अथक सतर्कता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

जनता और प्रशासन ने बीएसएफ के इन प्रयासों की खुले दिल से सराहना की है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि आने वाले दिनों में भी ऐसे ऑपरेशन और तेजी से जारी रहेंगे।

नेपाल में पदभार संभालते ही पीएम सुशीला कार्की का ऐलान

प्रदर्शन में जान गंवाने वालों को 'शहीद का दिया दर्जा

काठमांडू , नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने जेन–जी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को 'शहीदझ् का दर्जा और उनके आश्रितों को 10–10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर बैन के फैसले के विरोध में हुए आंदोलन के बाद राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को देश की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई थी। सुशीला कार्की ने शपथ ग्रहण के दो दिन बाद कार्यभार संभाला। उन्होंने रविवार सुबह लैंचौर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर अपने कार्यकाल की शुरुआत की, जिसके बाद वे सिंह दरबार गईं। उन्होंने गृह मंत्रालय के भवन से अपने आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन शुरू किया, क्योंकि पिछले मंगलवार को हिंसक प्रदर्शनों और आगजनी से मुख्य परिसर क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय को स्थानांतरित कर दिया गया था।

कार्यभार संभालते ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने नेपाल में हुए हिंसक प्रदर्शनों के पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान की। मुख्य सचिव एकनारायण आर्यल ने कहा है कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों को 'शहीदझ् माना जाएगा और उनके परिवारों को 10–10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने 134 घायल प्रदर्शनकारियों और 57 घायल पुलिसकर्मियों के चिकित्सा उपचार की घोषणा की है। द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालयों को विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए नुकसान का विस्तृत विवरण देने वाली रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नेपाल में हुए विरोध प्रदर्शनों में 72 लोगों ने जान गंवाई है, जिनमें 59 प्रदर्शनकारी, 10 कैदी और तीन पुलिस अधिकारी शामिल हैं।

गुजरात की फैक्ट्री बनी आग का गोला, आसमान में छाया काला धुआं; 2 मजदूरों की दर्दनाक मौत

मेहसाणा , गुजरात के मेहसाणा जिले में आज तड़के एक उर्वरक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से दो मजदूरों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। घटना पनोली जीआईडीसी स्थित एक कंपनी में सुबह करीब 3 बजे हुई। आग इतनी भयावह थी कि उसकी लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। मेहसाणा ग्रामीण पुलिस थाने के एक अधिकारी के अनुसार, समित्रा गांव के पास स्थित उर्वरक संयंत्र में जब आग लगी, उस वक्त प्लांट में नाइट शिफ्ट में छह मजदूर काम कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 15 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पाने में करीब एक घंटे का समय लगा।

जम्मू–कश्मीर में खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

तेज बारिश और भूस्खलन से खतरा बरकरार

कटरा ,जम्मू–कश्मीर में लगातार खराब हो रहे मौसम के चलते प्रसिद्ध धार्मिक स्थल वैष्णो देवी यात्रा को एक बार फिर से अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। प्रशासन ने यह निर्णय तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। गौरतलब है कि यह यात्रा पहले ही 19 दिनों तक स्थगित रह चुकी थी और (14 सितंबर) रविवार से इसे फिर से शुरू किए जाने की योजना थी। लेकिन अचानक तेज बारिश और ट्रैक पर बिगड़ती स्थिति के कारण यात्रा को दोबारा रोकना पड़ा है। भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में फिसलन और लैंडस्लाइड की आशंका बनी हुई है, जिससे यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है। इससे पहले 26 अगस्त को मंदिर के मार्ग में हुए एक बड़े भूस्खलन की घटना में 34 तीर्थयात्रियों की दुखद मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद से ही प्रशासन ने यात्रा को रोक दिया था और स्थिति सामान्य होने तक मार्ग को बंद रखा गया था। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे मौसम साफ होने और प्रशासन द्वारा अगली सूचना जारी होने तक यात्रा की योजना न बनाएं।

सम्पादकीय

कानून व्यवस्था पर सवाल !

उत्तराखंड के बड़े जनपदों में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। खास तौर पर हरिद्वार, देहरादून एवं उधम सिंह नगर अपराधों के मामले में संवेदनशील साबित होने लगे हैं। जनपदों में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति यह है की दिनदहाड़े फायरिंग, मारपीट छीना झपटी जैसे मामले प्रकाश में आ रहे हैं तो वहीं गैर राज्यों के बदमाश भी बेखौफ सड़कों पर गोलियां बरसाकर पुलिस प्रबंधन को ठेंगा दिखा रहे हैं। अभी हाल ही में हरियाना से एक मामले में फरार चल रहे एक बदमाश ने हरियाणा पुलिस के उस दरोगा को ही गोली मारकर घायल कर दिया जो उसे दबोचने आया था। गोली मारने के बाद बदमाश तो हाथ नहीं आया लेकिन वह हरिद्वार की सीमा से देहरादून तक जरूर पहुंच गया। सीसीटीवी फुटेज होने के बावजूद भी पुलिस त्वरित एक्शन से हमलावर को दबोच नहीं पाई और उधर दबिश के दौरान हमलावर ने देहरादून में गोली मार कर खुद को मौत के घाट उतार लिया। सड़कों पर इस प्रकार की घटनाएं समाज में भय व्याप्त करती है और जिस प्रकार के हालात हरिद्वार और देहरादून में पैदा हो रहे हैं उसके बाद तो सामाजिक सुरक्षा के मुद्दे पर अच्छी खासी बहस छेड़ी जा सकती है। राजधानी देहरादून की सड़कों में बाहरी राज्यों के छात्रों और अन्य लोगों द्वारा सड़कों पर हथियार लहराए जा रहे हैं, चारधाम यात्रा के समय सड़कों पर उपद्रव, शराबखोरी, हुड़दंग और उपद्रव के तमाम वीडियो वायरल है। जहां एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूरे प्रदेश को अपराध मुक्त राज्य बनाने की मुहिम पर फोकस कर रहे हैं तो वहीं कुछ जनपदों में सरेराह हो रही अपराधी घटनाओं से आमजन मानस भयभीत है। हैरानी की बात यह है की "स्ट्रीट क्राइम" के मुद्दे पर आखिर क्यों तत्काल कार्रवाई नहीं हो रही है, जैसा की हरिद्वार में हरियाणा पुलिस के दरोगा पर गोली मारने की प्रकरण में सामने आया था। किसी भी राज्य की सामाजिक व्यवस्था में कानून एवं सुरक्षा प्रबंधन का एक अहम स्थान है और बिना इसे पटरी पर लाए स्वस्थ समाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती। कहने को आए दिन जनपदों की पुलिस सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी ही पीठ ठोकती नजर आ रही है लेकिन दिनदहाड़े होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने में अब तक कोई बड़ी कामयाबी नजर नहीं आ रही है। उत्तराखंड पुलिस को ऐसी चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है और स्पष्ट है कि प्रशिक्षण केंद्रों में और हाईटेक तरीके से पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की जरूरत है। महज खाकी वर्दी डाल लेने से दबंगता,निपुणता और अपराध उन्मूलन कौशल नहीं आ सकता बल्कि इसके लिए अपराधियों के काम करने के तरीके और संभावित अपराधों से निपटने की पूरी कार्य नीति और रोड मैप तैयार करने की जरूरत है। सिर्फ व्यस्ततम क्षेत्र में ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग, देहात एवं कस्बों में भी पुलिस मोबाइल पार्टियों को सक्रिय करने के साथ–साथ उनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। एक बार यदि पुलिस प्रबंधन पटरी पर आएगा और अपराधियों को उनकी सही जगह पर पहुंचाया जाएगा तो संभावित अपराधों पर भी रोक लगाई जा सकेगी, अन्यथा पुलिस छुटपुट मामलों को लेकर सोशल मीडिया पर अपना ही गुणगान करती रहेगी और गैंगस्टर, डकैत, चोर और दूसरे गिरोह अपनी हरकतों को अंजाम देते रहेंगे।

वाक और अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियां

अजीत द्विवेदी

भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी पर कुछ तर्कसंगत पाबंदी लगाने का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 19 (2) में इसे व्याख्यायित किया गया है। सरकारें अलग अलग समय पर अपने हिसाब से इसकी व्याख्या करती रही हैं और बोलने या किसी भी रूप में अपने को अभिव्यक्त करने की आजादी को नियंत्रित करने का प्रयास करती रही हैं। हर बार सरकारें जब ऐसा प्रयास करती हैं तो उसके खिलाफ आवाज उठाई जाती है लेकिन अंततः सरकारें कामयाब होती हैं।

तभी धीरे धीरे वाक और अभिव्यक्ति की आजादी पर कई किस्म की पाबंदियां लग गई हैं। नए जमाने में यानी डिजिटल तकनीक के जमाने में जब लोगों को अभिव्यक्ति के नए प्लेटफॉर्म मिल गए हैं तब से पाबंदी की जरुरत ज्यादा महसूस की जा रही है और लगाई भी जा रही है। अब कुछ और नई पाबंदियों की आहट सुनाई दे रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से कहा है कि वह डिजिटल मंचों पर होने वाली अभिव्यक्तियों को नियंत्रित करने के कानून बनाए। यह मामला एक खास किस्म की बीमारी से ग्रसित एक व्यक्ति का मजाक उड़ाने से जुड़ा हुआ है। कॉमेडी के नाम पर किसी व्यक्ति की शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में कॉमेडी का यह रूप सहज स्वीकार्य होता है।

स्त्रियों का, कम लंबाई वाले या मोटे लोगों का या शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना स्टैंडअप कॉमिक में शामिल है। ऐसे ही एक मामले की सुनवाई करते हुए 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सरकार से कहा कि वह नेशनल ब्रॉडकास्टर एंड डिजिटल एसोसिशएन यानी एनबीडीए से सलाह मशविरा करके सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करे।

असल में एक शारीरिक स्थिति होती है, जिसे स्पाइनल मस्क्यूलर एट्रोफी यानी एसएमए बोलते हैं, जो एक आनुवंशिक डिसऑर्डर है। एक गैर सरकारी संस्था ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि कई स्टैंडअप कॉमेडियन्स ने इस बीमारी से ग्रसित लोगों का मजाक बनाया है। इसमें समय रैना, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर का नाम लिया गया था। सुनवाई के दौरान सभी पक्षों ने इसकी आलोचना की। लेकिन असली परेशान करने वाली बात यह है कि जस्टिस बागची ने 'कॉमर्शियल स्पीचइ का एक जुमला बोला और कहा कि जब आप अभिव्यक्ति की आजादी का व्यावसायीकरण करते हैं तो आपको ध्यान रखना चाहिए कि आपकी बात समाज के किसी हिस्से की भावना को आहत न करे।

सरकार की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने इस पर तत्काल कहा कि सरकार इसे नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करेगी। इस पर अदालत ने कहा कि जो भी दिशानिर्देश बनाया जाए वह सिर्फ किसी विशिष्ठ घटनाक्रम से पैदा हुए सवालों को ही एड्रेस न करे, बल्कि नई तकनीक और अभिव्यक्ति के नए उभरते मंचों की वजह से जो स्थितियां पैदा हो रही हैं उनको ध्यान में रखने वाली हों।

जाहिर है अदालत चाहती है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को नियंत्रित करने के लिए एक समग्र दिशानिर्देश जारी हो। सर्वोच्च अदालत का यह आदेश सरकार के हाथ में एक नया हथियार दे सकता है। ध्यान रहे भारत के संविधान में अनुच्छेद 19 (2) के जरिए नियंत्रण के जो उपाय बताएं हैं उसके अलावा आईटी एक्ट 2000 के आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स 2021 के जरिए भी सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के उपाय किए गए हैं।

इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स किसी तरह से सामाजिक विद्वेष फैलाने वाला या अश्लील कंटेंट प्रसारित नहीं होने देंगे।

अगर इस कानून को कायदे से लागू किया जाए तो किसी अतिरिक्त कानून की जरुरत नहीं पड़ेगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने जितनी खुशी खुशी दिशानिर्देश बनाने की सहमति दी उससे लग रहा है कि सोशल मीडिया को नियंत्रित करने का कोई और कानून भी आ सकता है।

सर्वोच्च अदालत के आदेश में एक और बात विरोधाभासी दिखती है, जो 'कॉमर्शियल स्पीचइ से जुड़ी है। अगर किसी स्टैंडअप कॉमेडियन के एक्ट को इस आधार पर 'कॉमर्शियल स्पीचइ माना जाएगा कि वह उससे पैसे कमा रहा है तो फिर किसी पत्रकार या किसी अभिनेता या किसी लेखक को कैसे इससे बाहर रखा जा सकेगा? ध्यान रहे पत्रकार और लेखक भी अपने लेखन से पैसा कमाते हैं और अभिनेता पैसे के लिए ही फिल्मों या टेलीविजन में काम करते हैं। निर्माता, निर्देशक पैसे कमाने के लिए ही फिल्में बनाते हैं। अगर 'कॉमर्शियल स्पीचइ का दायरा बढ़ा तो वाक और अभिव्यक्ति का हर स्वरूप और हर प्लेटफॉर्म इसके दायरे में आ जाएगा। यह सिर्फ सोशल मीडिया तक नहीं रूकेगा, बल्कि अखबार, पत्रिकाएं, फिल्म, टेलीविजन सब इसके दायरे में आएंगे। यहां तक कि नेता के भाषण को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है क्योंकि उसका भी अंतिम लक्ष्य लाभ का पद हासिल करना होता है।

यह विरोधाभासी इसलिए है क्योंकि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के अपने फैसले अलग अलग रहे हैं। हमदर्द दवाखाना बनाम भारत सरकार मामले में 1959 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि विज्ञापन भी एक किस्म की अभिव्यक्ति का माध्यम है लेकिन जब इसमें व्यापार का पहलू शामिल हो जाता है तो यह विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के दायरे में नहीं आता है। हालांकि बाद में टाटा प्रेस बनाम महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के केस में 1995 में माना कि कॉमर्शियल स्पीच को सिर्फ इस आधार पर अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता है कि कोई लाभ कमाने वाली कंपनी इसे जारी कर रही है। बाद में एक और मामले में अदालत ने विज्ञापनों में सामाजिक सद्भाव और हितों का ध्यान रखने की सलाह दी थी।

परंतु ऐसा लग रहा है कि इस मामले में स्थिति बहुत स्पष्ट नहीं है। अगर इस पर समग्रता से विचार नहीं किया गया तो सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आधार बना कर ऐसे दिशानिर्देश जारी कर सकती है, जिसके दम पर किसी भी स्पीच को कॉमर्शियल बताया जा सकता है, उस पर रोक लगाई जा सकती है और उससे जुड़े लोगों को सजा दी जा सकती है। इसलिए इस मामले में स्पष्टता की जरुरत है। साथ ही यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत में पहले से बहुत सारे कानून हैं। नए कानून की बजाय पुराने कानूनों, नियमों और दिशानिर्देशों को प्रभावी तरीके से लागू करने के उपाय करने चाहिए।

जातीय संघर्ष जनजीवन अस्त–व्यस्त

वर्तमान में मणिपुर देश का एकमात्र राज्य है, जहां राष्ट्रपति शासन लागू है। मैतई–कुकी के खूनी संघर्ष के चलते इसी साल फरवरी में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।1967 के बाद से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने का ग्यारहवां उदाहरण है। अब मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने कुकी–जो समुदाय के दो प्रमुख संगठनों द्वारा सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। कोकोमी शांति स्थापित करने के लिए रोडमैप तैयार कर रहा है।केंद्र व राज्य सरकार ने कुकी–जो विद्रोही समूहों के साथ पनुर्निधारित नियमों, शतरे या आधारभूत नियमों के साथ विशेष सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए।गृह मंत्रालय का कहना है कि नागरिक समाज संगठनों के इन समूहों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग–2 को यात्रियों और जरूरी वस्तुओं की आवाजाही के लिए खोलने पर सहमति व्यक्त की है। मई, 2023 में राज्य में कुकी–मैतई के दरम्यान हिंसा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षित यात्रा को लेकर यह व्यवस्था किए जाने की चर्चा है।पूर्वनिर्धारित कार्यक्रमानुसार मोदी 13 सितम्बर को वहां जा सकते हैं। जातीय संघर्ष में ढाई सौ से ज्यादा जानें जा चुकी हैं। जनजीवन अस्त–व्यस्त है। सरकारी इमारतों को क्षति पहुंचाने के अलावा स्थानीय रोजगार ठप पड़े हैं। सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ों ने आम नागरिकों के भीतर दहशत भर दी है।साठ हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को अब तक लौट नहीं पाए हैं। सामान्य स्थिति की बहाली को लेकर जनता में निश्चितता देखी जा सकती है। हालांकि यह राजनीतिक दांव भी हो सकता है क्योंकि अरसे से मोदी के लगातार चुनावी रैलियों में शामिल होने पर विपक्ष निशाना साध रहा था।मणिपुर में शांति बहाली के लिए केंद्र का उपेक्षाभाव देख सवाल उठना लाजिमी था। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ चुकी हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि आलोचनाओं को थामने के लिए मोदी की यह यात्रा हो सकती है, जहां कुछ योजनाओं का ऐलान कर वे अपने जिम्मेदाराना व्यवहार का अहसास कराना चाहेंगे।संघषग्रस्त राज्य में शांति बहाली केंद्र को अपनी प्राथमिकताओं में रखना चाहिए। चुनावी चकल्लस के अतिरिक्त प्रधानमंत्री मोदी को ख्याल रखना होगा कि देश के किसी भी कोने को उपेक्षित न रहने दिया जाए और शांति स्थापित करने के प्रति यथाशीघ्र विशेष सतर्कता बरती जाए।

डोनाल्ड ट्रंप आखिर पलटी मारी

जैसी कि उम्मीद थी ठीक वैसा ही हुआ। अभी तक भारत से खुंदक निकाल रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आखिर, पलटी मार गए। भारत को धो–धो कर कोस रहे ट्रंप समझ चुके हैं कि उनकी तिरछी चाल से भारत का तो जो होगा सो होगा बेइज्जती तो अमेरिका और उनकी खुद की होने वाली है। शुल्क और रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका और भारत के मध्य भारी तनाव पैदा करने के बाद ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं। इस पलटी को खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे के सिवा और क्या कहा जा सकता है। दोनों देशों के बीच संबंध पिछले दो दशकों में सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। अपने मित्र मोदी से मित्रता को याद करते हुए ट्रंप कहे बिना नहीं रह सके कि 'मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा..वह शानदार प्रधानमंत्री हैंइ ट्रंप की इस चालबाजी को भांपते हुए भारत को गद्गद् होने की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने पिछले कुछ समय में भारत के साथ जो अपमानकारी हरकतें की हैं, उन्हें भारत को नहीं भूलना चाहिए। अपनी आदत से बाज न आते हुए अब भी उन्होंने यह तो कह ही दिया कि उन्हें इस समय मोदी द्वारा किए जा रहे काम पसंद नहीं आ रहे।वह इस बात से निराश हैं कि भारत रूस से बहुत ज्यादा तेल खरीद रहा है। इससे पहले ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशलइ पर अपनी पोस्ट में कहा था, 'लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। ईर करे कि उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध होइ ट्रंप चीन से भारत के सुधरते रिश्तों में खटास लाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ठहाके लगाते चित्रों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा।इससे ट्रंप की बेचैनी बढ़ी हुई है। वह किसी भी तरह इन तीनों नेताओं में दूरी पैदा करना चाहते हैं। भारत को चाहिए कि वह बदलती वैश्विक जरूरतों में अपना फायदा देखते हुए किसी चालबाजी में न फंसे।

बाढ़ और भूस्खलन प्रमुख कारण पेड़ों की अवैध कटाई

देश के चार उत्तरी राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही को लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने लगता है उस मर्म पर हाथ रख दिया है जिसकी ओर पर्यावरणविद, भूगर्भशास्त्री और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अर्से से ध्यान दिलाने का काम कर रहे हैं।

लेकिन सरकार और नीति–निर्धारकों, राजनीतिक नेताओं और प्रशासनिक अमले के कानों पर कोई जूं नहीं रेंगती। स्थानीय सरकारों, मंत्रियों और अफसरों से मिल कर भू माफिया ने इन राज्यों का जो हाल कर दिया है, वह तो अब कभी सुधर नहीं सकता। अदालत ने बाढ़ और भूस्खलन पर गंभीर चिंता जताते हुए इसके लिए पेड़ों की अवैध कटाई को प्रमुख कारण माना है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर सरकारों को नोटिस जारी कर उनसे दो हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा गया है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई की गई है, और यही हालिया आपदा का बड़ा कारण हो सकता है। अदालत ने मीडिया रिपोटरे पर संज्ञान लेते हुए कहा कि हमने हिमाचल प्रदेश के दृश्य देखे, जहां बड़ी संख्या में लकड़ी के कुंदे के कुंदे बाढ़ में बहते हुए नजर आए। यह अनियंत्रित पेड़ कटाई का संकेत है। विकास जरूरी है, लेकिन वह संतुलित होना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई की गई है, और यही हालिया आपदा का बड़ा कारण हो सकता है। अदालत ने मीडिया रिपोटरे पर संज्ञान लेते हुए कहा कि हमने हिमाचल प्रदेश के दृश्य देखे, जहां बड़ी संख्या में लकड़ी के कुंदे के कुंदे बाढ़ में बहते हुए नजर आए। यह अनियंत्रित पेड़ कटाई का संकेत है। विकास जरूरी है, लेकिन वह संतुलित होना चाहिए। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता क्या कहते, उन्हें स्वीकार करना पड़ा कि हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ की है कि अब प्रकृति हमें उसका जवाब दे रही है।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता क्या कहते, उन्हें स्वीकार करना पड़ा कि हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ की है कि अब प्रकृति हमें उसका जवाब दे रही है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे पर वे पर्यावरण मंत्रालय के सचिव से बात करेंगे और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से भी संवाद स्थापित करेंगे।

लेकिन क्या ये बातें कहने से पहले मेहता को सोचना नहीं चाहिए था कि जब–जब पर्यावरणविद, भूगर्भ शास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता सवाल उठाते हैं, या स्थानीय लोग आंदोलन करते हैं, तब सरकारों की गलत नीतियों की पैरवी करने राज्य ओर केंद्र के अटॉर्नी और सालिसिटर जनरल जैसे बड़े अधिकारी क्यों आ जाते हैं।

उस समय क्या उन्हें दुष्परिणामों का भान नहीं होता। केदारनाथ त्रासदी, जोशीमठ की दरारें, हिमाचल और उत्तराखंड के भूस्खलन और बाढ़, वैष्णो देवी तथा अमरनाथ यात्रा मागरे पर हुए हादसों और पंजाब की बर्बादी से हम कभी सबक भी लेंगे या नोटिसों का सिलसिला यूं ही बदस्तूर जारी रहेगा।

टाक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल की रिलीज डेट आई सामने

प्राइम वीडियो के नए टाक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल का ऐलान कर दिया है. इसका ग्लोबल प्रीमियर 25 सितंबर को होगा. इस टाक शो का हर गुरुवार एक नया एपिसोड रिलीज किया जाएगा. बता दें कि यह प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल शो है, जिसमें पहली बार काजोल और ट्विंकल खन्ना को–होस्ट के रूप में एक साथ नजर आएंगी. इसके अलावा, शो के पहले सीजन में दर्शकों को बेहद शानदार और ग्लैमरस गेस्ट लिस्ट भी देखने को मिलेगी, जो इसे और भी खास बनाएगी. काजोल की एनर्जेटिक पर्सनैलिटी और ट्विंकल खन्ना के ट्रेडमार्क सेंस आफ ह्यूमर के साथ, यह टाक शो जिसे बनिजे एशिया ने प्रोड्यूस किया है, वो दर्शकों को जाने माने कुछ सबसे बड़ी और नामी हस्तियों के साथ मनोरंजन का अनलिमिटेड डोज, बिना फिल्टर किए हुए पलों का मजा, ढेर सारी हंसी और सरप्राइज देने वाला है. प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड आफ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक का कहना है, टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल सिर्फ एक आम सेलिब्रिटी चैटर नहीं है, बल्कि यह स्टार–स्टडेड गेस्ट लाइनअप के साथ ताजा, सीधी और एंटरटेनिंग बातचीत का मेल होने वाला है. यह आडियंस को ढेर सारी हाज़िर–जवाबी, दिल से किए गए खुलासे और थोड़ी–सी शरारत से भरे पल भी देगा.वो आगे कहते हैं, हमारा शो दो जबरदस्त होस्ट के इर्द–गिर्द है, जिनकी हाजिर–जवाबी और बेबाकी हर बातचीत में झलकती है, जो आडियंस को पूरी तरह से अपने साथ बांधे रखने वाली हैं. बानिजे एशिया और एंडिमोल शाइन इंडिया की ग्रुप चीफ डेवलपमेंट आफिसर मृणालिनी जैन ने कहा, टू मच शो में काजोल और ट्विंकल सिर्फ होस्ट के रूप में नहीं, बल्कि खास आवाजों, जिज्ञासु विचारों और मजबूत इंस्टिंक्ट्स वाली महिलाओं के रूप में दिखाई देंगी. बिना फिल्टर, मज़ेदार और पूरी तरह से ईमानदार तरीके से यह शो इस बारे में है कि वे क्या पूछना चाहती हैं, उन्हें किस बात की परवाह है,

11 साल बाद खिताब जीतने के करीब सेंट्रल जोन

बेंगलुरु, साउथ जोन के लिए अंकित शर्मा और आंद्रे सिद्धार्थ की 192 रन की साझेदारी के बावजूद सेंट्रल जोन 11 साल में अपना पहला दलीप ट्रॉफी खिताब जीतने के लिए तैयार है। सोमवार को मैच के पांचवें दिन सेंट्रल जोन को इस गौरवपूर्ण क्षण को हासिल करने के लिए केवल 65 रनों की आवश्यकता होगी।

साउथ जोन ने मैच के चौथे दिन दूसरी पारी में दो विकेट पर 129 रन से आगे बढ़ते हुए पहले सत्र में अच्छी शुरुआत की, लेकिन अंततः टीम 426 रनों पर ढेर हो गई। सेंट्रल जोन के पहली पारी में 511 रन की तुलना में अपनी दोनों पारी के कुल योग के आधार पर 64 रन की ही बढ़त बना सकी।

पांचवें दिन का खेल बाकी

साउथ जोन की टीम पहली पारी में सिर्फ 149 रन ही बना सकी थी। सेंट्रल जोन की ओर से स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने चार और सारांश जैन ने तीन विकेट लिए। साउथ के लिए अंकित ने (99) और सिद्धार्थ ने (नाबाद 84) के संघर्ष के साथ सातवें विकेट के लिए बड़ी साझेदारी कर टीम को पारी की हार से बचाया लिया, लेकिन अंतिम दिन उनकी टीम के गेंदबाजों को करिश्माई जीत के लिए 64 रन देने से पहले मध्य क्षेत्र के सभी विकेट लेने होंगे, जो असंभव नजर आ रहा है।

लावण्या त्रिपाठी और देव मोहन अभिनीत साथी लीलावती का पहला गाना चित्तोरु पिल्ला रिलीज़

लावण्या त्रिपाठी कोनिडेला और देव मोहन अभिनीत फिल्म साथी लीलावती का निर्माण नागा मोहन द्वारा दुर्गादेवी पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है, जिसे प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस आनंदी आर्ट क्रिएशन्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है। भीमिली कबड्डी जट्टू और एसएमएस (शिव मनसूलो श्रुति) जैसी फिल्मों के लिए मशहूर तातिनेनी सत्या द्वारा निर्देशित, यह फिल्म एक पति–पत्नी के रिश्ते को भावनात्मक और मनोरंजक तरीके से दर्शाती है, जैसा कि हाल ही में रिलीज़ हुए टीज़र से साफ़ ज़ाहिर होता है।

फिल्म का पहला सिंगल, चित्तूरु पिल्ला, फिल्म की टीम द्वारा रिलीज़ कर दिया गया है। वनमाली द्वारा लिखित इस गाने को नूथना मोहन, कृष्णा तेजस्वी और रितेश जी राव ने गाया है।

मिकी जे मेयर द्वारा रचित, यह मधुर संगीत दिल को छू जाता है। वृंदा मास्टर द्वारा कोरियोग्राफी के साथ, यह गीतात्मक वीडियो देखने में बेहद आकर्षक है।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो 3 में दिखेंगे फिल्म मिराई के सितारे, सामने आया प्रोमो

अभिनेता तेजा सज्जा काफी समय से अपनी आगामी फिल्म मिराई को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस एक्शन एडवेंचर फिल्म के निर्देशक हैं कार्तिक गट्टामनेनी। यह फिल्म 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। तेजा इन दिनों फिल्म के प्रचार–प्रसार में व्यस्त हैं। अब तेजा फिल्म मिराई के प्रचार के सिलसिले में कपिल शर्मा के कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो 3 में पहुंचने वाले हैं। इस शो का नया प्रोमो सामने आ गया है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो 3 के नए एपिसोड में तेजा के अलावा रितिका नायक, श्रिया सरन और जगपति बाबू जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में आज भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से होना है। इस हाई वोल्टेज मुकाबले के बीच सीनियर मेंस सिलेक्शन कमेटी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम का एलान का दिया है। तीनों वनडे मैच कानपुर के ग्रीन पार्क में खेले जाएंगे। सीरीज की शुरुआत 30 सितंबर को होगी और आखिरी मैच 5 अक्टूबर को खेला जाएगा।

कानपुर में खेले जाएंगे सभी मुकाबले

सीरीज का पहला वनडे मैच 30 सितंबर को ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 3 अक्टूबर को और आखिरी 5 अक्टूबर को होगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे शुरू होंगे। पहले वनडे के लिए रजत पाटीदार को इंडिया ए टीम की कप्तान सौंपी गई है। वहीं आखिरी दो वनडे मैच में तिलक वर्मा टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इस दौरान पाटीदार उपकप्तान की भूमिका में होंगे।

कानपुर में नहीं खेलेंगे रोहित–विराट

खबरें आई थीं कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे से पहले अक्टूबर 2025 में कानपुर में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में खेल सकते हैं। इससे उनकी तैयारी भी हो जाएगी। हालांकि, टीम के एलान से साफ हो गया है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को इंडिया ए टीम में जगह नहीं मिली है। हालांकि, टीम के एलान के साथ ही यह तय हो गया है कि दोनों दिग्गज कानपुर के मैदान पर नहीं खेलेंगे।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

पहला वनडेः 30 सितंबर, कानपुर
दूसरा वनडेः 3 अक्टूबर, कानपुर
तीसरा वनडेः 5 अक्टूबर,कानपुर

पहले वनडे मैच के लिए भारत ए टीम

रजत पाटीदार (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, सिमरजीत सिंह।

संक्षिप्त समाचार

छात्र संघ चुनाव 27 सितंबर को

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः छात्रसंघ चुनाव को लेकर पौड़ी परिसर में मुख्य चुनाव अधिकारी ने अधिसूचना जारी कर दी गई है। पौड़ी परिसर में 27 सितंबर को छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान, मतगणना व शपथ ग्रहण की प्रकिया होगी। परिसर के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो.पीयूष सिंहा ने अधिसूचना जारी कर दी। उन्होंने बताया कि पौड़ी परसिर में छात्रसंघ अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, सहसचिव, कोषाध्यक्ष, यूआर के साथ ही 7 कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए चुनाव होगा। बताया कि चुनाव के तहत 18 व 19 सितंबर को नामांकन होंगे। 19 सितंबर को ही नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 20 सितंबर को वैद्य प्रत्याशियों के नामों की घोषणा, नामवापसी व प्रत्याशियों के नामों की अंतिम सूची जारी होगी। बताया कि 27 सितंबर को सुबह साढ़े 8 से साढ़े 12 बजे तक मतदान प्रक्रिया होगी। डेढ़ बजे से मतगणना शुरू की जाएगी। इसी दिन मतगणना के बाद चुनाव परिणामों की घोषणा व छात्रसंघ पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण किया जाएगा।

रविंद्र नेगी बने कोतवाली पौड़ी के प्रभारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पौड़ी जिले में एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। तबादलों की जद में 3 इंस्पेक्टर सहित 9 एसआई भी आए हैं। अभी तक पौड़ी कोतवाली की जिम्मेदारी संभाल रहे एसआई कमलेश शर्मा को साइबर सेल कोटद्वार भेजा गया है। जबकि उनकी जगह इंस्पेक्टर रविंद्र नेगी को कोतवाली का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, एसएसपी कार्यालय में वाचक एवं एसआई अमरजीत सिंह को थाना देवप्रयाग का जिम्मा दिया गया है। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने तबादले करते हुए पुलिस लाइन पौड़ी से निरीक्षक सुरेंद्र सिंह राणा को प्रभारी एएनटीएफ/एएचटीयू भेजा गया है। पुलिस लाइन में तैनात महिला निरीक्षक प्रियंका भारद्वाज को एसएसपी कार्यालय में वाचक बनाया गया है। एफएसएल यूनिट श्रीनगर में तैनात महिला उप निरीक्षक लक्ष्मी सकलानी को महिला थानाध्यक्ष श्रीनगर की जिम्मेदारी दी गई है। कोटद्वार कोतवाली में प्रभारी रिपोटिंग पुलिस चौकी उपनिरीक्षक राजविक्रम सिंह पंवार को कोटद्वार कोतवाली में वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है। पुलिस लाइन में तैनात अनिल चौहान को कोटद्वार कोतवाली भेजा गया है। कोटद्वार कोतवाल में तैनात प्रमोद कुमार को एसएसपी ने प्रभारी रिपोटिंग पुलिस चौकी कोतवाली कोटद्वार भेजा है। कोतवाली श्रीनगर में तैनात उपनिरीक्षक मुकेश भटट को प्रभारी रिपोटिंग पुलिस चौकी बाजार श्रीनगर भेजा गया है। नैनीडांडा पुलिस चौकी में तैनात सैययूदल बहार को कोतवाली कोटद्वार में तैनात किया गया है। कोतवाली कोटद्वार से उपनिरीक्षक प्रकाश पोखरियाल को थाना धुमाकोट की नैनीडांडा रिपोटिंग पुलिस चौकी भेजा गया है।

लम्बगांव में बंदर ने सात वर्षीय बच्चे को किया घायल

नई टिहरी। नगर पंचायत लंबगांव मे बंदरों का आतंक थमने का नाम नही ले रहा है। जिससे नगर पंचायत निवासियों में भारी रोष व्याप्त है। रविवार को आतंकी बंदर ने एक सात वर्षीय बालक पर जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल बालक को इलाज के लिए सीएचसी चौंड में लाया गया। लंबगांव निवासी सुरेंद्र सिह राणा का 7 वर्षीय नाती आर्यन को सुबह करीब 11 बजे अपनी मां सहित परिवारजनों के साथ घर के आंगन में बैठा था, कि एक आंतकी बंदर ने अचानक बालक का पैर पकड़ लिया और उसे घसीटते हुए हमला कर दिया। इतने मे महिलाओं ने हो–हल्ला कर किसी तरह बालक को बंदर के चंगुल से बचाया। लेकिन बंदर बालक के पांव को बुरी तरह जख्मी कर दिया। जिसके बाद परिजन बच्चे को आनन–फानन में निकटस्थ सीएचसी चौंड में इलाज के लिए ले गये। जहां पर डाक्टरों ने बच्चे का इलाज करते हुए एंटी रैबीज इंजेक्श, टिटनेस के साथ ही जरूरी उपचार दिया। डा हर्ष वर्मा ने बताया कि बच्चे के पांव को बंदर ने बुरी तरह से घायल किया है। इलाज के बाद बच्चे को घर भेज दिया गया है। आतंकी बंदरों की इस तरह की घटना पर नगर पंचायत निवासियों ने गहरा रोष जाहिर करते हुए वन विभाग से आंतकी बंदरों से निजात दिलाने मांग की। व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजीव पंवार, पूर्व अध्यक्ष युद्धवीर राणा, कोषाध्यक्ष अमन राणा सहित नगर वासियों ने कहा कि नगर क्षेत्र मे बंदरों की बढ़ती संख्या से आतंक बढ़ रहा है। बंदर अब तक दर्जनों को काट चुके हैं। वन विभाग व नगर पंचायत से वनों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। रेंज अधिकारी हर्ष राम उनियाल ने कहा कि बंदरों को किसी भी हाल में खाद्य पदार्थ न दें।

टूरिज्म के नाम पर घोटाले का आरोप, कांग्रेस ने फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार के झंडा चौक में प्रदेश सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी

कोटद्वारः पर्यटक के नाम पर घोटाले का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि मसूरी के जार्ज एवरेस्ट एस्टेट में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा दिए जाने के नाम पर घोटाला किया गया। पर्यटन विभाग ने जर्ज एवरेस्ट एस्टेट को बाबा रामदेव व उनके सहयोगी बालकृष्ण को कौड़ी के भाव लीज पर दे दी है।

रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता व पदधिकारी झड़ाचौक के समीप एकत्रित हुए। जहां उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। नगर अध्यक्ष संजय मित्तल ने कहा कि प्रदेश सरकार संपत्ति को निजि हाथों में बेच रही है। प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग ने बाबा रामदेव के सहयोगी बालकृष्ण को 142 हेक्टेयर भूमि मात्र एक करोड़ के भाव पर लीज पर दे दी। जबकि यह भूमि करोड़ रूपए की है।

कहा कि कांग्रेस पार्टी इस महाघोटाले का पर्दाफाश करेगी। कहा कि यह जमीन घोटाला उत्तराखंड का सबसे बड़ा महाघोटाला है, जिसका जवाब प्रदेश सरकार को देना होगा। कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश सरकार के घोटालों के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। इस मौके पर प्रवीन रावत, सुधा असवाल, मीना बछुवाण, महावीर सिंह रावत, सुदर्शन रावत, डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, विजय नारायण सिंह, गणेश नेगी, सुनील सेमवाल, सूरज प्रसाद कांति, विनीता भारती, जानकी बुड़ाकोटी, शहनाज शम्सी, दीपा देवी, बीना देवी, ममता, जितेंद्र केएस चौहान, भूपाल सिंह अधिकारी, शंकेश्वर प्रसाद सेमवाल मौजूद रहे।

शिक्षाविद् व पूर्व उपनिदेशक डा.आरपी ध्यानी का निधन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कालाबड़ निवासी शिक्षाविद् व पूर्व उपनिदेशक डा.आरपी ध्यानी का निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। आरपी ध्यानी के निधन पर क्षेत्र के विभिन्न संगठनों ने शोक व्यक्त किया। डा.आरपी ध्यानी कुछ दिन पूर्व ही लखनऊ गए हुए थे। जहां वह अपनी पत्नी का इलाज करवा रहे थे। लेकिन, अचानक उनके स्वास्थ्य खराब होने लगा।

रविवार को उन्हें अंतिम सांस ली। डा. आरपी ध्यानी 1981 तक पीआईसी व जीआईसी कोटद्वार में प्रधानाचार्य रहे है। डा.आरपी ध्यानी टिहरी व उत्तरकाशी में डिप्टी डायरेक्टर भी रहे। तत्पश्चात वे उत्तरप्रदेश में उपशिक्षानिदेशक रहे। सेवानिवृत् के बाद वे शिक्षा क्षेत्र से जुडे रहे, वे एक उच्चकोटि के लेखक भी रहे है। उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखी, वे साहित्यांचल से जुड़े रहे। डा. आरपी ध्यानी गुरूरामराय एजुकेशनल संस्था के ट्रस्टी भी रहे। डा. आरपी ध्यानी के स्वजनों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार सोमवार को कोटद्वार स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा।

पिंजरे में कैद नहीं हुआ गुलदार, ग्रामीणों में दहशत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिले के पोखड़ा ब्लाक के श्रीकोट गांव में गुलदार की दहशत बनी हुई है। गुलदार अभी भी पिंजरे में कैद नहीं हो पाया है। जिले के पोखड़ा ब्लाक के श्रीकोट गांव में बीते शुक्रवार की रात को गुलदार ने 4 साल की मासूम रिया को निवाला बना लिया था। जिसके बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। घटना से स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। शनिवार को स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए गुलदार को मारने की मांग उठाई थी। वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए यहां पिंजरे लगाने के और ट्रेंक्युलाइज टीम को भी तैनात किया है। इसके अलावा, ड्रोन की मदद से गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, लेकिन अभी तक गुलदार के पिंजरे में कैद नहीं होने पर क्षेत्र में गुलदार की दहशत बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजने में भी डर रहे हैं। गुलदार यहां लगे पिंजरों में नहीं फंसा है। गुलदार को शीघ्र ही नरभक्षी घोषित कर देना चाहिए जिससे लोगों को गुलदार के आतंक से निजात मिल सके। पूर्व ब्लाक प्रमुख पोखड़ा सुरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि गुलदार को मारने के आदेश नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी बनी हुई है। कहा कि क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। सरकार को जल्द ही इस ओर ठोस कदम उठाने चाहिए। पोखड़ा ब्लाक के गड़री से जिला पंचायत सदस्य पूनम कैंतुरा ने कहा कि मानव जीवन के संरक्षण के लिए बने कानून बनना चाहिए। चौबट्टाखाल में कई सालों से जंगली जानवरों का आतंक बना हुआ है, जिससे स्थानीय ग्रामीण परेशान हैं। कहा कि चौबट्टाखाल को नो टाइगर जोन घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से चौबट्टाखाल को नो टाइगर जोन घोषित करने की मांग उठाई है।

प्रधानाचार्य पद पर सीधी भर्ती का विरोध, किया तर्पण

राजकीय शिक्षक संघ ने किया कण्वाश्रम में तर्पण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वारः राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड प्रांतीय कार्यकारणी ने प्रधानाचार्य पद पर सीधी भर्ती का विरोध किया है। इस दौरान शिक्षकों ने सीधी भर्ती का तर्पण किया। कहा कि शिक्षकों के हित को देखते हुए प्रधानाचार्य पद पर सीधी भर्ती की योजना को समाप्त कर देना चाहिए।

रविवार को प्रांतीय कार्यकारणी के आह्वान पर शिक्षक कण्वाश्रम मालन नदी में एकत्रित हुए। जहां उन्होंने प्रधानाचार्य पद पर सीधी भर्ती का विरोध किया। राजकीय शिक्षक संघ जनपद पौडी के जिला मंत्री बिजेंद्र बिष्ट ने कहा कि शिक्षकों के लंबे समय से पदोन्नति नहीं हुई हैं और सरकार राजकीय इंटर कॉलेज के पचास प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती के माध्यम से भरने की तैयारी कर रही है। बताया कि वर्ष 2022 में प्रधानाचार्य सीधी भर्ती नियमावली लायी जो शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात हैं।

कहा कि सरकार शिक्षकों के हकों को छीन रही है। शिक्षक जिस पद पर नियुक्त हुआ उसी से सेवानिवृत्त हो रहा हैं। कहा कि शिक्षक 17 सितंबर को देहरादून मुख्यमंत्री आवास का भी घेराव करेंगे। पूर्व जनपद मंत्री मनमोहन चौहान, मंडलीय सयुंक्त मंत्री पंकज ध्यानी, ब्लॉक कार्यकारणी के अध्यक्ष बिजेंद्र तोमर मंत्री संजय रावत अरविंद्र थपलियाल, राजीव शर्मा, दीपक लखेड़ा, धर्मेंद्र नेगी, सतेन्द्र रावत, अनिल बुडाकोटी, अब्बल रावत, डबल रावत, दीपक नेगी, श्रीकांत दुदपुड़ी, धर्मवीर नेगी, राकेश रावत, चंद्रकांत बलूनी, राजेन्द्र पंत, सुषमा उनियाल, विक्रम राणा, देवेंद्र बर्थवाल, किशोर बिडालीय आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों को दी बैंक से संबंधित योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः भारतीय स्टेट बैंक पौड़ी शाखा ने डांडा पाणी व बैंज्वाड़ी गांव में ग्राम स्तरीय सैचुरेशन कैंप का आयोजन किया। इस दौरान ग्रामीणों को कई बैंकिग योजनाओं की जानकारी दी गई। कैंप में बैंक के अफसरों ने ग्रामीणों को भारत सरकार की प्रधानमंत्री जनधन योजना और इससे जुड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना की जानकारी दी। बैंक अफसरों ने लोगों को उनके खातों में केवाईसी पूर्ण करने की महत्ता समझाई और समय पर केवाईसी पूरा करने का अनुरोध किया। इस दौरान ग्रामीणों को साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपाय भी बताए। बैंक अफसरों ने सलाह दी कि वे अपनी बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें और संदिग्ध कॉल व संदेशों से सतर्क रहें।

मुकेश बड़थ्वाल बने उक्रांद के जिलाध्यक्ष

उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से आयोजित किया गया महाधिवेशन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तराखंड क्रांति दल के महाअधिवेशन में पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मुकेश बड़थ्वाल को दी गई। इस दौरान सदस्यों ने संगठन की मजबूती का भी संकल्प लिया।

आयोजित कार्यक्रम में मौजूद उक्रांद के पदाधिकारी

रविवार कोपदमपुर सुखरो में दल का महाधिवेशन आयोजित किया गया। महाधिवेशन में पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया।

जिसमें सर्वसम्मति से मुकेश चंद्र बड़थ्वाल को जिलाध्यक्ष व जगदीपक सिंह रावत को महानगर अध्यक्ष चुना गया। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड राज्य गठन में उत्तराखंड क्रांति दल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

राज्य के विकास विकास के सपने के साथ कई लोगों ने राज्य गठन में अपनी शाहदत दी। लेकिन, आज राज्य गठन को दशकों हो चुके हैं। बावजूद प्रदेश की जनता मूलभूत सुविधाओं को तरस रही है। कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उक्रांद धरातल पर उतरकर काम करेगा। मूल निवास, भू-कानून, रोजगार सहित अन्य मुद्दों को लेकर जनता के बीच पहुंचकर संघर्ष किया जाएगा। इस मौके पर डा.शक्ति शैल कपरवाण, महेंद्र सिंह रावत, सनील कोटनाला, शांति भट्ट, चंद्रमोहन गुसाईं, बचन सिंह रावत, गुलाब सिंह रावत, पुष्कर सिंह रावत, सत्यपाल सिंह नेगी, पितृशरण जोशी, भगवती प्रसाद, पंकज भट्ट, उमेद सिंह, भारत मोहन काला आदि मौजूद रहे।

मार्ग निर्माण को लेकर न्यायालय में करें ठोस पैरवी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर विभिन्न संगठनों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान संगठनों ने सरकार से मार्ग निर्माण को लेकर न्यायालय में ठोस पैरवी करने की मांग उठाई। कहा कि क्षेत्र के विकास में मार्ग निर्माण होना अति आवश्यक है।रविवार को दूसरे दिन भी चिल्लरखाल में लोगों ने धरना दिया। पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने भी धरने को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग आवश्यक है। कहा कि तत्कालीन कांग्रेस के कार्यकाल में उन्होंने ही इस मोटर मार्ग को बनाने की कवायद शुरू की थी। उनके कार्यकाल में मोटर मार्ग के निर्माण के लिए 706.60 लाख की वित्तीय स्वीकृति दिलवाई गई थी। लेकिन, प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद इस मोटर

लालढांग चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर धरना देते लोग

मार्ग का मामला उलझ गया, जिससे यह मामला कोर्ट में लंबित है। कहा कि इस मार्ग के निर्माण में प्रशासनिक अड़चन रोड़े अटका रही है। कहा कि प्रदेश सरकार को मामले के जानकार अधिवक्ताओं के पैनल से न्यायालय में ठोस पैरवी करवानी चाहिए। कहा कि वे इस आंदोलन में जनता के साथ खड़े है। कहा कि मोटर मार्ग के बन जाने से क्षेत्र के लोगों को तो फायदा होगा ही साथ ही सिडकुल को लाभ मिलेगा। उन्होंने जनता से भी इस आंदोलन में जुड़ने का आग्रह किया। इस मौके पर विभिन्न सामाजिक संगठन व बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

ग्रामीणों को दी बैंक से संबंधित योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः भारतीय स्टेट बैंक पौड़ी शाखा ने डांडा पाणी व बैंज्वाड़ी गांव में ग्राम स्तरीय सैचुरेशन कैंप का आयोजन किया। इस दौरान ग्रामीणों को कई बैंकिग योजनाओं की जानकारी दी गई। कैंप में बैंक के अफसरों ने ग्रामीणों को भारत सरकार की प्रधानमंत्री जनधन योजना और इससे जुड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना की जानकारी दी। बैंक अफसरों ने लोगों को उनके खातों में केवाईसी पूर्ण करने की महत्ता समझाई और समय पर केवाईसी पूरा करने का अनुरोध किया।

इस दौरान ग्रामीणों को साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपाय भी बताए। बैंक अफसरों ने सलाह दी कि वे अपनी बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें और संदिग्ध कॉल व संदेशों से सतर्क रहें। इस मौके पर एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी के प्रबंधक राहुल नौटियाल, एसबीआई पौड़ी शाखा के मुख्य प्रबंधक अवतार सिंह कंडारी आदि शामिल रहे।

क्षेत्रफल के आधार पर हो उत्तराखंड का परिसीमनः यूकेडी

नई टिहरी। उत्तराखंड क्रांति दल के जिला सम्मेलन में राज्यहित के लंबित मुद्दों का निराकरण 25 साल बाद भी न होने पर चिंता व्यक्त की गई। कहा कि पर्वतीय राज्य की मूल अवधारणा को लेकर राज्य निर्माण में लोगों में बड़ी संख्या में अपनी शहादत दी थी। लेकिन पलायन रोकने को ठोस नीति, राजधानी गैरसैंण बनाने,प्रदेश सख्त भू–कानून, मूल निवास, परिसीमन, युवाओं को देने से लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार मौन साधे हुई है। जिस कारण प्रदेश की जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी रणनीति बनाई। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड में क्षेत्रफल के आधार पर परिसीमन किया जाना राज्य के लिए जरूरी है। रविवार को बौराड़ी में पूर्व जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित यूकेडी के जिला सम्मेलन में राज्य हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रभारी विक्रम बिष्ट ने कहा कि दल के सभी कार्यकर्ताओं से लेकर पदाधिकारियों को एकजुट होकर 2027 के विधानसभा चुनाव में राज्य को लुटने वाले दलों से मुकाबला करना होगा। सम्मेलन में केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पंकज व्यास, संयोजक नारायण सिंह राणा, वीर चंद रमोला, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमिला रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय सिंह पंवार ने कहा कि आने वाले समय में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन होना है। ऐसे में उत्तराखंड में क्षेत्रफल के आधार पर परिसीमन किया जाना राज्य के लिए जरूरी है। पर्यवेक्षक लोकेंद्र जोशी,चुनाव अधिकारी उत्तम पुंडीर की रेखदेख में जिला,ब्लॉक से लेकर विभिन्न प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न हुए।

चम्बा और बौराड़ी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता शिविर में दर्ज कराएं शिकायतें

उत्तरकाशी। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच उत्तरकाशी टिहरी क्षेत्र के चम्बा और बौराड़ी में बिजली उपभोक्ताओं के लिए दो दिवसीय शिविर लगा रहा है। शिविर में बिजली उपभोक्ताओं की बिजली की गुणवत्ता एवं निर्बाध आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों को सुना जाएगा। साथ ही बिजली उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जानकारी भी दी जाएगी। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच उत्तरकाशी के उपभोक्ता सदस्य संतोष भट्ट के अनुसार उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग के निर्देशों पर मंच बिजली उपभोक्ताओं की बिजली की गुणवत्ता एवं आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण को लेकर लगातार शिविर आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में टिहरी जिले के चम्बा क्षेत्र के ऋषिकेश रोड़ स्थित बिजली घर और टिहरी शहर के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बौराड़ी उप खंड कार्यालय में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर 15 सितम्बर को चम्बा तथा 16 सितम्बर को बौराड़ी में लगाया जाएगा। शिविर सुबह 11 से 2 बजे के बीच आयोजित होंगे। क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वह शिविर में अपनी बिजली से जुड़ी शिकायत को दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए विभाग द्वारा जारी बिजली का बिल या उसकी फोटो कॉपी और इससे जुड़े अन्य दस्तावेजों को सादे कागज में लिखे प्रार्थना पत्र के साथ देना होगा। शिविर में लो वोल्टेज, खपत से ज्यादा बिल आने, खराब मीटर न बदलने, आईडीएफ, एनआर, आरडीएफ का बिल जारी करने, समय पर नया कनेक्शन जारी न करने समेत अन्य शिकायतें दर्ज होंगी।

थानाध्यक्ष रौतेला से मुलाकात कर सहयोग की अपील की

नई टिहरी। लम्बगांव की नव निर्वाचित व्यापार मंडल कार्यकारिणी और व्यापारियों ने व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार के नेतृत्व में लम्बगांव थाना में जाकर थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह रौतेला से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर व्यापारियों ने थानाध्यक्ष से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि लम्बगांव में व्यापारी सभी के सहयोग से कार्य करेंगे। व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों को लेकर विभिन्न मुद्दों पर वार्ता की गई। अध्यक्ष राजीव पंवार ने थानाध्यक्ष को अवगत कराया की क्षेत्र में जगह–जगह बिना परमिशन के घूम रहे फेरी वालों को पकड़ कर नियमानुसार कार्यवाही करें। बाजार में जाम की समस्या खत्म करने के लिए होमगार्ड, कांस्टेबल के साथ–साथ प्रत्येक दिन सब इंस्पेक्टर को भी दिन भर जाम की रेख–देख के लिए बाजार में नियुक्त किया जाए, साथ ही बाजार में खड़े आवश्यक बाइक या चौपहिया वाहनों को पार्किंगो में खड़ा करवाया जाए। जिससे बाजार में लगने वाले जाम से सभी को राहत मिल सके। थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह रौतेला ने सभी समस्याओं को जल्द हल करने का आश्वाशन दिया।

ड्यूटी के दौरान सैनिक की मौत, दी अंतिम विदाई

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः उमरावनगर निवासी एक सैनिक की ड्यूटी के दौरान वाच टावर से गिरने के कारण मौत हो गई। रविवार को सैनिक का पार्थिव शरीर कोटद्वार स्थित उनके आवास पर पहुंच। जहां स्वजनों व अन्य लोगों ने सैनिक को अंतिम विदाई दी। सैनिक का अंतिम संस्कार हरिद्वार में किया गया।

जानकारी के अनुसार, 16 गढ़वाल राइफल्स से सेवानिवृत्त होने के बाद 42 वर्षीय चंद्रमोहन भट्ट रक्षा सुरक्षा कोर में तैनात हुए थे। वर्तमान में उनकी तैनाती विशाखापट्नम में थी। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल रावत ने बताया कि दो दिन पूर्व वाच टावर से गिरने के कारण चंद्रमोहन घायल हो गए। सेना की ओर से उन्हें अस्पताल पहुंचाया

सैन्य सम्मान के साथ सैनिक को अंतिम विदाई देते सैनिक

गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया कि रविवार को चंद्रमोहन भट्ट का शव विशाखापट्नम से कोटद्वार स्थित उनके आवास में पहुंचा। जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार हरिद्वार में किया गया।

16 दिवसीय क्रिकेट टुर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

नई टिहरी। महादेव क्रिकेट क्लब की ओर व समाज कल्याण विभाग के नशा मुक्त भारत अभियान के सहयोग से बौराड़ी स्टेडियम में 16 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हुआ। टूर्नामेंट के उद्धघाटन मैच में हिंडोलाखाल खास पट्टी 11 की टीम विजेता रही। बौराड़ी स्टेडियम में जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण ने रिबन काटकर क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। टूर्नामेंट का पहला मैच हिंडोलाखाल खास पट्टी 11 व जाखणीधार लिटिल मास्टर टीमों के बीच खेला गया। जाखणीधार की टीम ने टॉस जीतकर फिल्डिंग करने का निर्णय लिया। हिंडोलाखाल खास पट्टी 11 की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 126 बनाएं। जवाब में जाखणीधार की टीम मात्र 46 रन पर ऑल आउट हो गई। दूसरा मैच कोटेश्वर क्लब व हिंडोलाखाल खास पट्टी 11 के बीच खेला गया। कोटेश्वर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 126 बनाएं। वहीं हिंडोलाखाल की टीम 56 रन पर आउट हो गई। टूर्नामेंट का तीसरा मैच जाखणीधार लिटिल मास्टर टीम व कोटेश्वर क्लब के बीच खेला गया। कोटेश्वर ने पहले खेलते हुए 81 रन बनाएं। लक्ष्य का पीछे करने उतरी जाखणीधार की टीम ने 83 रन बनाकर दो रन से मैच लिया। विजेता टीमों ने टूर्नामेंट के अगले राउंड प्रवेश किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सुनील रौतेला व दीपक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष सजवाण ने कहा कि खेल से मानसिक विकास होने के साथ एकाग्रता बढ़ती है। युवा खेल के माध्यम से अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने क्लब के सदस्यों को हर संभव मद्द का भरोसा दिया। सहायक समाज कल्याण अधिकारी किशन सिंह चौहान ने कहा कि युवा पीढ़ी में नशे का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। नशे को रोकने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। क्लब के संयोजक मोहित मेहरा ने बताया कि टूर्नामेंट में 14 टीमें प्रतिभाग कर रही है। विजेता टीम को 51 व उप विजेता टीम को 21 हजार नगद धनराशि के साथ ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। 30 सितंबर को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे।

आठ सूत्रीय मांगों पर एबीवीपी का धरना जारी

श्रीनगर गढ़वाल।गढ़वाल विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद रविवार को एबीवीपी संगठन का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन डीएसडबल्यू भवन के समीप जारी रहा। छात्रों ने रिक्त आरक्षित सीटों को सामान्य कर प्रवेश करवाने समेत अन्य मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत राणा ने कहा कि कई ऐसे छात्र हैं जो मेरिट में कुछ अंक पीछे रहने से प्रवेश नहीं ले पाए, अब जब रिक्त सीटें हैं तो उन्हें सामान्य वर्ग में परिवर्तित करते हुए प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित की जाय, ताकि अन्य छात्रों को भी गढ़वाल विश्वविद्यालय में पढ़ने का अवसर मिल सके।

बदरीनाथ में भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने के आदेश

चमोली। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मुख्य कार्याधिकारी और शासन द्वारा कार्यपालक नियुक्त विजय प्रसाद थपलियाल ने रविवार को बदरीनाथ मंदिर परिसर और बाह्य क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में भिक्षावृत्ति पर नाराजगी जताई और तत्काल प्रभाव से इसे रोकने के आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि कुछ साधु वेशधारी तीर्थयात्रियों से दान–दक्षिणा लेकर मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं, जिससे मंदिर समिति की छवि धूमिल हो रही है। इस पर सख्ती दिखाते हुए उन्होंने भिक्षावृत्ति पर नियंत्रण और अतिक्रमण हटाने हेतु दो अलग–अलग समितियों का गठन किया है। मंदिर मार्ग व बाहरी परिसर में प्रसाद दुकानों के नाम पर किए गए अतिक्रमण को हटाने हेतु प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप को अध्यक्ष और सीजनल लिपिक अजीत भण्डारी व दिनेश भट्ट को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि दोनों समितियां मंदिर परिसर और मार्ग का समय–समय पर निरीक्षण कर अपनी आख्या कार्यपालक मजिस्ट्रेट को सौंपेंगी। निरीक्षण के दौरान प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, थाना प्रभारी नवनीत भंडारी और अवर अभियंता गिरीश रावत सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। भिक्षावृत्ति नियंत्रण को समिति का गठन मुख्य कार्याधिकारी द्वारा गठित समिति में मंदिर अधिकारी राजेन्द्र सिंह चौहान (अध्यक्ष), प्रधान सहायक राजेन्द्र सेमवाल और मुख्य सहायक जगमोहन बर्त्वाल को सदस्य नामित किया गया है। यह समिति मंदिर परिसर में अवैध रूप से भिक्षा मांगने वालों की पहचान कर उन्हें दर्शन उपरांत बाहर निकालेगी।

स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने 3.5 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक पर कोतवाली श्रीनगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत हुआ है। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि नशामुक्त अभियान के अंतर्गत जनपद में मादक पदार्थों एवं ड्रग्स तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने और अवैध रूप से नशीले पदार्थों का क्रय–विक्रय करने वालों के विरुद्ध श्रीनगर पुलिस लगातार चैकिंग अभियान चला रही है।

संक्षिप्त समाचार

मंजूर नक्शे से अलग फ्लैट बनाने पर बिल्डर को देना होगा मुआवजा

देहरादून। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग उत्तराखण्ड ने मंजूर नक्शे से अलग फ्लैट बनाने पर बिल्डर को मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। देहरादून के सुभाषनगर के गुरुनानक मार्ग में बनाए फ्लैट के मामले में आयोग ने यह फैसला सुनाया। इसमें एसोसिएट प्रोफेसर ने तीसरी मंजिल पर एक फ्लैट 2015 में खरीदा था। सुभाषनगर निवासी संतोष सिंह और सीमा सिंह ने 29 जून 2015 को समीर सेठी से 28 लाख में एक फ्लैट खरीदा था। समीर सेठी पर आरोप है कि उन्होंने फ्लैट खरीदते वक्त बताया कि एमडीडीए से नक्शा मंजूर है। इसके लिए संतोष सिंह और सीमा सिंह ने जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी 22.40 लाख का होम लोन लिया। दो साल बाद जब वह अपना होम लोन दूसरे बैंक में ट्रांसफर करवाने लगे तो पता चला कि एमडीडीए से तीसरी मंजिल पर फ्लैट के नक्शे मंजूर नहीं है, हालांकि समीर सेठी आरोप से इनकार किया। कहा कि फ्लैट का नक्शा शुरू में तीन मंजिलों के लिए स्वीकृत था, जिसे बाद में तीसरी मंजिल के लिए कंपाउंडेड किया गया था। आयोग ने सुनवाई में पाया कि समीर सेठी ने तीसरी मंजिल पर तीन फ्लैट बनाए हैं, जबकि एमडीडीए से सिर्फ एक स्वतंत्र मंजिल की स्वीकृति दी गई थी। इस प्रकारण समीर सेठी को स्वीकृत नक्शे का उल्लंघन का उत्तरदायी पाया। हालांकि आयोग ने जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के खिलाफ लगे आरोपों को सबूतों के अभाव में खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि एसोसिएट प्रोफेसर होकर वह जानकारी नहीं होने का दावा नहीं कर सकते हैं। आयोग ने समीर सेठी के खिलाफ शिकायत को आंशिक तौर पर स्वीकार करते हुए संतोष सिंह और सीमा सिंह को तीन लाख रुपये का मुआवजे के साथ 25 हजार रुपये वाद व्यय देने के आदेश दिए हैं।

विभागीय सचिवों के पद पर इंजीनियरों को मिले जिम्मेदारी

देहरादून। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने विभागीय सचिवों के पदों पर इंजीनियरों को जिम्मेदारी दिए जाने की मांग की। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभागों में एमडी पद की जिम्मेदारी आईएएस अफसरों को न दिए जाने की पैरवी की। चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने सरकारों को आईएएस अफसरों के प्रभाव से बाहर निकलने को कहा। इंजीनियर्स डे की पूर्व संध्या पर चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने कहा कि नीति निर्धारण से लेकर शीर्ष प्रबंधन स्तर पर तेजी से आईएएस अफसरों का कब्जा बढ़ता जा रहा है। दूसरी ओर इंजीनियरों को लगातार हाशिए पर धकेला जा रहा है। दूसरी ओर विकसित देशों में इंजीनियरों को नीति निर्माण और नेतृत्व में अहम भूमिका दी जाती है। जर्मनी, जापान और अमेरिका में इंजीनियरिंग नवाचार, तकनीकी नेतृत्व को बढ़ावा दिया जाता है। इंजीनियरों को विभागीय सचिव के रूप में जिम्मेदारी दी जाए। इंजीनियरों के लिए विशेष प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएं। पाठ्यक्रम में भी प्रबंधन और नेतृत्व कौशल को शामिल किया जाए। एनआईटी, आईआईटी में नीति विश्लेषण और सार्वजनिक प्रशासन पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं। सरकार और निजी क्षेत्रों में इंजीनियरों का विशेष कैडर बनाया जाए। बेहतर होगा कि सरकार आईएएस अफसरों के प्रभाव से बाहर निकल इंजीनियरों के योगदान को पहचानते हुए उन्हें मजबूत करने का अवसर प्रदान करे।

जानवरों से फसलों को हुये नुकसान पर मुआवजे की मांग

नई टिहरी। जौनपुर विकासखंड के तहत जौनपुर रेंज व देवलसारी रेंज के अंतर्गत दर्जनों गांव में जंगली जानवर काश्तकारों की खड़ी फसलों को रौंदकर तहस–नहस कर रहे हैं। क्षेत्र के काश्तकार पहले ही बेमौसमी बारिश की मार से बेहाल हैं।

जिसमें कहीं फैसले अत्यधिक बारिश से सड़ गल गई हैं। कृषकों के खेतों में जो कुछ फसलें बची हैं, उनको जंगली जानवर आए दिन तहस–नहस करके चौपट कर रहे हैं। जिसे लेकर टिहरी की डीएम नितिका खंडेलवाल व उपवन संरक्षक मंसूरी को विकास मंच जौनपुर के महामंत्री खेमराज भट्ट ने ज्ञापन भेज कर जौनपुर विकासखंड क्षेत्र में जंगली जानवरों के फसलों को हुए नुकसान का काश्तकारों को उचित मुआवजा राशि प्रदान करने की मांग की है, साथ ही जंगली जानवरों के आतंक को रोकने की मांग की है। इस संबंध में प्रभागीय वन अधिकारी मसूरी अमित कंवर का कहना है कि क्षेत्र में जहां पर जंगली जानवरों के द्वारा फसलों को नुकसान किया गया है, वहां का क्षेत्रीय राजस्व उप निरीक्षक व वन विभाग संयुक्त सर्वे करकर शासन के मानक अनुसार मुआवजा राशि कृषकों को प्रदान करेगा।

सीएम धामी ने किया हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान समारोह में प्रतिभाग

– उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड भाषा संस्थान के माध्यम से राज्य के बिखरे हुए साहित्य को संरक्षित, संकलित और पुनर्स्थापित करने के लिए ठोस कार्य कर रही है। सरकार स्थानीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के लिए भी सतत प्रयास कर रही हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी समृद्ध भाषायी विरासत से जुड़ी रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा सौंपी गई साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत केवल हमारे अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि हमारी पहचान और सभ्यता की नींव हैं इसलिए इन्हें संरक्षित रखना हम सभी का नैतिक उत्तरदायित्व है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हिंदी दिवस के अवसर पर आई०आर०डी०टी० सभागार, सर्वे चौक, देहरादून में आयोजित उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान समारोहह्ल में प्रतिभाग किया और प्रदेश व देश भर से पधारे साहित्यकारों, कवियों तथा भाषा प्रेमियों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साहित्यकार शैलेश मटियानी, गिरीश तिवारी, शेरदा अनपढ़, हीरा सिंह राणा को मरणोपरान्त उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान 2025 से सम्मानित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सोमवारी लाल उनियाल व अतुल शर्मा को भी उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान से सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि

यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें हिंदी भाषा को समृद्ध बनाने वाले महान साहित्यकारों को ह्यदीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मानह्ल से सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने उन सभी साहित्य साधकों को शुभकामनाएँ दीं जो अपनी रचनात्मकता से सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने हिंदी को आत्मा की अभिव्यक्ति और साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि साहित्यकार समाज की संवेदनाओं के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज को नई दिशा देता है और सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा भी प्रदान करता है। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में कवियों और रचनाकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि रचनात्मकता हमारे शास्त्रों और परंपराओं का भी मूल आधार रही है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, शिवानी, शैलेश मटियानी, गिर्दा, शेर दा ह्यअनपढ़ह्ल, और ह्यहिरदाह्ल जैसे रचनाकारों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया, जिन्होंने उत्तराखंड के जीवन, संघर्ष और संस्कृति को अपनी रचनाओं में जीवंत किया। उन्होंने कहा कि समकालीन रचनाकारों में अतुल शर्मा, प्रसून जोशी, और उनियाल जी जैसे साहित्यकार इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड भाषा संस्थान के माध्यम से हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा ह्यउत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मानह्ल, ह्यसाहित्य भूषणह्ल, ह्यलाइफ टाइम अचीवमेंटह्ल पुरस्कारों के माध्यम से साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है और नई पीढ़ी के लिए रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन कर उन्हें प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है।

अधिशासी अभियंता एनएच श्रीनगर के खिलाफ केस पर भड़के इंजीनियर

देहरादून। अधिशासी अभियन्ता राष्ट्रीय राजमार्ग खंड लोक निर्माण विभाग श्रीनगर के खिलाफ पौड़ी जिला प्रशासन स्तर से दर्ज कराई गई एफआईआर पर उत्तराखंड इंजीनियर्स फेडरेशन ने विरोध दर्ज कराया। फेडरेशन की रविवार को हुई बैठक में जल्द केस वापस न लिए जाने पर सोमवार से आंदोलन का ऐलान किया गया।

बैठक में महासचिव जितेंद्र सिंह देव ने कहा कि 11 सितंबर को तेज बारिश से श्रीनगर से बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग का 45 मीटर हिस्सा बह गया। इससे यातायात बाधित हुआ। मार्ग खोलने को ईई एनएच ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कम समय में सड़क को खुलवाने का काम किया। बेहद खतरनाक परिस्थितियों में इस काम को किया गया। मौके पर वैली साईड में अलकनंदा नदी पर बने बांध से हुए कटाव से 35–40 मीटर जमीन धंसने से बिना तकनीकी सुधार कार्य के बिना उपचार संभव नहीं है। इसकी जानकारी होने के बावजूद जिला प्रशासन स्तर से लगातार दबाव बनाया गया। जबकि तात्कालिक उपचार से सिर्फ बजट बर्बाद होता। जनहानि का अलग खतरा रहता। विभाग की ओर से विस्तृत डीपीआर केंद्र को भेजी जा चुकी है। इसके बावजूद ईई के खिलाफ केस दर्ज करा दिया गया। लोनिवि प्रांतीय अभियंत्रण सेवा संघ अध्यक्ष प्रवीन कुमार ने कहा कि प्रदेश भर के इंजीनियरों में आक्रोश है। सोमवार को सभी जिलों में डीएम और मंगलवार को विधायक, सांसदों को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। काली पट्टी बांध विरोध होगा। 17 सितंबर को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में आंदोलन का ऐलान होगा। कहा कि इस तरह के फैसलों से आपदा प्रबंधन से जुड़े काम प्रभावित होंगे। विरोध में इंजीनियर कार्य बहिष्कार, हड़ताल के फैसले से भी परहेज नहीं करेंगे। केस दर्ज कराने का आदेश देने वाले अफसरों पर ही केस दर्ज कराया जाए। लोनिवि प्रांतीय अभियंत्रण सेवा संघ महासचिव बलराम मिश्रा, प्रवीन कुमार, वाईएस तोमर, मुकेश कुमार, अमित रंजन, हरीश चंद्र सिंह, प्रवीन कुमार राय, राजेश गुप्ता, सनीत रावत, सुरेश तोमर, सुधीर सैनी, संजीव गौतम, अनूप पांडेय आदि मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य परीक्षा समर्थक मंच मुख्यमंत्री से मिलकर रखेंगे अपनी बात

देहरादून। उत्तराखंड विभागीय प्रधानाचार्य पदोन्नति परीक्षा समर्थक मंच मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मिलकर अपनी बात रखेंगे। वह भर्ती परीक्षा के लिए जल्द विज्ञप्ति जारी करने की मांग भी करेंगे। साथ ही पदोन्नति परीक्षा के समर्थन में भी अभियान तेज करेंगे। रविवार को देहरादून के रेसकोर्स स्थित प्राथमिक शिक्षक संघ भवन में परीक्षा समर्थक शिक्षकों की बैठक हुई। डॉ. कमलेश कुमार मिश्र को प्रांतीय महासचिव मनोनीत किया गया। तय किया गया कि जिलों के संयोजक नियुक्त किए जाएंगे। साथ ही तय किया गया कि अगले तीन दिनों के अंदर मंच मुख्यमंत्री से मिलकर विभागीय पदोन्नति से होने वाले लाभों को अवगत कराएगा। साथ ही पदोन्नति परीक्षा से उत्तराखंड में होने वाली शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का पक्ष रखेगा। अगले तीन दिन में समर्थक शिक्षक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ ही शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत से भी मिलेंगे। उनसे सीधी भर्ती विज्ञप्ति जारी करवाने का अनुरोध करेंगे। बैठक में तय किया गया कि समर्थक शिक्षक शिक्षण कार्य के साथ ही स्कूलों में अन्य कार्य भी करेंगे।

बेरोजगार युवाओं के लिए घाटे का सौदा बनी सीएम सौर स्वरोजगार योजना

देहरादून। रोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने वाली सरकार की सबसे अहम सीएम सौर स्वरोगार योजना ही युवाओं के गले की फांस बन गई है। जिन विभागों पर इन योजनाओं को बढ़ाने का जिम्मा है, वही इस योजना में सबसे बड़ी दिक्कत बन गए हैं। यूपीसीएल के डिवीजनों से लेकर उरेडा के स्तर पर बेरोजगारों को मदद करने की बजाय उन्हें नए नए तरीके से परेशान करने का आरोप लग रहे हैं। बेरोजगारों के लिए बैंक किश्त तक निकालना मुश्किल हो गया है। यूपीसीएल के स्तर पर सबसे अधिक शिकायतें टिहरी जिले से आ रही हैं। यहां पहले आवेदकों को टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट देने में परेशानी खड़ी की गई। अब उच्च क्षमता के इंवर्टर लगाने के नाम पर उरेडा के साथ मिल कर ज्वाइंट इंस्पेक्शन रिपोर्ट नहीं दी जा रही है। इससे मीटर नहीं लग पा रहे हैं। प्लांट की बिलिंग शुरू नहीं हो पा रही है। उत्पादन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि 200 किलोवाट तय क्षमता से अधिक के प्लांट लगा कर अधिक बिजली उत्पादन किया जा रहा है। जबकि यूपीसीएल के साथ हुए करार में साफ है कि तय 200 किलोवाट क्षमता तक बिजली उत्पादन पर 4.64 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से भुगतान होगा। यदि इससे अधिक उत्पादन होता है, तो अतिरिक्त बिजली यूपीसीएल 2.32 रुपए प्रति यूनिट पर मिलेगी। ऐसे में 200 किलोवाट से अधिक बिजली उत्पादन होने पर सीधे यूपीसीएल को लाभ होना है। उसे बिजली कम रेट पर मिलेगी। इसके बावजूद डिवीजन अपने ही पीपीए के विरुद्ध जाकर उपभोक्ताओं के लिए रोज एक नई परेशानी खड़ी कर रहे हैं। एमडी यूपीसीएल ने भी जताई नाराजगी टिहरी जिले से आ रही शिकायतों पर एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार ने भी सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने स्वीकार किया कि पावर परचेज एग्रीमेंट में साफ है कि यदि अधिक बिजली पैदा होगी, तो वो यूपीसीएल को 50 प्रतिशत कम रेट पर मिलेगी। इसके अतिरिक्त कोई भी उपभोक्ता क्यों 50 प्रतिशत कम रेट पर बिजली देने को महंगे प्लांट लगाएगा। इसके साथ ही सीएम सौर स्वरोजगार योजना में ग्रिड कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

राज्य सरकार का लक्ष्य जनता को त्वरित और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना : सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में विधायक सहदेव पुंडीर, खजान दास, सुरेश चौहान, भरत चौधरी, संजय डोभाल, अनिल नौटियाल, प्रीतम पंवार एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। शिष्टाचार भेंट के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्रों की विभिन्न विकासपरक मांगों एवं स्थानीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों के शीघ्र समाधान हेतु सम्बन्धित विभागों को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य जनता को त्वरित और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनप्रतिनिधियों

की सक्रिय भागीदारी से समस्याओं का समाधान और विकास कार्य और अधिक प्रभावी होंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाल ही में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों का स्वयं भ्रमण करने और जरूरतमंद परिवारों तक समयबद्ध सहायता पहुँचाने में सहयोग का विधायकगणों से आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपदा प्रभावित सभी परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी और राहत–पुनर्वास कार्यों की गति तेज़ की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा, पर्यटन, पेयजल एवं ऊर्जा जैसे बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का संतुलित और सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं को निकटता से सरकार तक पहुंचाएं और सभी मिलकर प्रदेश की प्रगति में भागीदारी सुनिश्चित करें।

शराब वहन करते हुए एक आरोपी गिरफ्तार

नई टिहरी। लम्बगांव थाना पुलिस ने कार में अवैध शराब ले जा रहे युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एक्साईज एक्ट के तहत कार्यवाही सुनिश्चित की गई है। पुलिस की मीडीया सेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि टिहरी पुलिस लगातार एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देशन में सीएम धामी के नशामुक्त अभियान को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। जिसके तहत लम्बगांव थाना पुलिस ने सघन निरीक्षण के दौरान 10 बोतल 8 पीएम अंग्रेजी शराब, 40 पाउच नाइट किंग देशी शराब व 24 कैन बीयर कार में ले जाते हुए आरोपी उत्तरकाशी निवासी सहदेव पुत्र स्व कुलदीप को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एक्साईज एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। आरोपी को पकड़ने में पुलिस कर्मियों में कपिल यादव, शेखर नेगी व मानेश्वर शामिल रहे।

महाविद्यालय तलवाड़ी में धूमधाम से मनाया हिन्दी दिवस

चमोली। राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी में हिन्दी दिवस धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्या डॉ. प्रतिभा आर्य, विभाग प्रभारी डॉ. पुष्पा रानी और शिक्षकों द्वारा सरस्वती पूजन व दीप प्रज्वलन से हुआ। बीज वक्तव्य में डॉ. पुष्पा रानी ने हिन्दी : विस्तार एवं संभावनाओं पर विचार रखे। राजनीति विज्ञान के डॉ. ललित जोशी ने हिन्दी एवं विदेश नीति, डॉ. सुनील कुमार ने हिन्दी : एक परिचय, समाजशास्त्र के मोहित उप्रेती ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं हिन्दी तथा अन्य वक्ताओं ने विविध विषयों पर विचार व्यक्त किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बीए, बीएससी व एमए के छात्र–छात्राओं ने नृत्य, गीत और कविता पाठ से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कविता पाठ में डॉ. नीतू पांडे, मोहित उप्रेती, सुनील कुमार समेत छात्र–छात्राओं ने तालियां बटोरीं। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. प्रतिभा आर्य ने कहा कि हिन्दी के विकास में ही राष्ट्र की प्रगति है और शिक्षा–स्वास्थ्य सहित तकनीकी क्षेत्र में मातृभाषा का प्रयोग आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. खेमकरण 'सोमन ने किया। अंत में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया हिंदी दिवस

उत्तरकाशी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर उत्तरकाशी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नगर पालिका सभागार बड़कोट में राष्ट्रीय हिंदी दिवस भव्यता से मनाया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्र भाषा हिंदी के महत्व के बारे में बताने के साथ ही निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी गयी। शिविर में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिविल जज योगीश गुप्ता ने कहा कि प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के रूप मे मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष में एक दिन इस बात से लोगों को रूबरू कराना है कि जब तक वे हिन्दी का उपयोग पूरी तरह से नहीं करेंगे तब तक हिन्दी भाषा का विकास नहीं हो सकता। सभी लोंगो को अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी का उपयोग करने का आह्वाहन किया।

उन्होंने नालसा, सालसा व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य वक्ता के रूप में महा विद्यालय के प्रो. दया गैरोला ने कहा कि राष्ट्रीय हिंदी दिवस 14 सितंबर को इसी दिन संविधान सभा ने हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकृति दी थी। इस खास दिन को मनाने का उद्देश्य हिन्दी भाषा के महत्व और प्रसार को बढ़ावा देना है। हिन्दी दिवस हिन्दी साहित्य, संस्कृति और इतिहास को प्रोत्साहित करते हुए लोगों को हिन्दी भाषा के प्रति जागरूक करता है। बतौर मुख्यातिथि उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय हिंदी दिवस अपने आप मे खास दिवस है। कहा कि अंग्रेजी सीखना बुरी बात नही लेकिन, राष्ट्र भाषा हिंदी को सर्वोपरि लेकर कार्य करने की आवश्यकता है। इस मौके पर सीओ देवेंद्र नेगी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जशोदा राणा, खण्ड विकास अधिकारी कैलाश रमोला, अधिशासी अधिकारी जयानंद सेमवाल, भूपेंद्र सिंह, अजय रावत, ललिता भंडारी, प्रताप रावत, अनोद सिंह,पीएलवी सुनील थपलियाल, राकेश नौटियाल, उर्मिला, हरीश बिजल्वाण, गणपति नौटियाल, जय प्रकाश बहुगुणा, दिनेश रावत, मदन पैन्यूली, भगवती रतुड़ी, उपेंद्र असवाल आदि उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित जिपंस विमला बुटोला ने निधन पर दी श्रद्धांजलि

रुद्रप्रयाग। बजीरा वार्ड से नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य विमला बुटोला के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। लंबे समय से बीमार चल रही विमला बुटोला का देहरादून के सिनर्जी अस्पताल में उपचार चल रहा था। लीवर में संक्रमण के चलते वह जिला पंचायत सदस्य की शपथ भी नहीं ले पाईं। विमला बुटोला और उनके पति नारायण सिंह बुटोला दोनों सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, जो वर्षो से निर्धनों और जरुरतमंदों की सेवा में समर्पित रहे। जनता ने उनकी सेवा भावना को देखते हुए उन्हें निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विजयी बनाया था। उनके निधन पर रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, पूर्व विधायक मनोज रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, पूर्व प्रमुख प्रदीप थपलियाल, शिक्षक दिगपाल नेगी सहित कई जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व शिक्षकों ने गहरा शोक जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रो चमोला को मिला श्री रघुनाथ कीर्ति हिंदी सेवा सम्मान

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर की ओर से इस बार श्री रघुनाथ कीर्ति हिंदी सेवा सम्मान प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो दिनेश चमोला 'शैलेश को प्रदान किया गया। प्रो चमोला हिंदी की विभिन्न विधाओं पर सौ से अधिक पुस्तकों की रचना कर चुके हैं। डॉ चमोला को यह पुरस्कार प्रसिद्ध कवि धर्मेंद्र उनियाल, परिसर की सह निदेशिका प्रो चंद्रकला आर कोंडी, हिंदी पखवाड़ा संयोजक डा वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल, सह संयोजक पायल पाठक द्वारा दिया गया। इस मौके पर प्रो चमोला ने कहा कि जिस माटी में उनका जन्म हुआ उसी में इतने बड़े सम्मान को पाकर वह गौरवान्वित हैं। साहित्यिक प्रतिभाओं की पहचान करने व उन्हें आगे बढ़ाने में ऐसे गरिमामय सम्मानों की महति भूमिका होती है। साहित्य साधक को यद्यपि किसी पुरस्कार की लालसा नहीं होती, परंतु यदि रघुनाथ कीर्ति जैसी उच्च शिक्षण संस्थायें यह पहल करती है। तो इसकी सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के परिवेश का उसके विचारों व लेखन पर गहरा प्रभाव होता है। सुमित्रानंदन पंत , चंद्रकुंवर बर्त्वाल इसके उदाहरण हैं। कवि धर्मेंद्र उनियाल ने हिंदी की विभिन्न विधाओं पर लगभग सौ पुस्तकों की रचना कर चुके प्रो चमोला जैसे महान साहित्यकार को यह पुरस्कार मिलने पर खुशी जतायी। संयोजक डॉ वीरेंद्र सिंह बर्त्वाल ने बताया कि 2018 में शुरू यह पुरस्कार अभी तक डॉ सुशील कोटनाला, डॉ जयंती प्रसाद नौटियाल, प्रो राखी उपाध्याय व महावीर रंवाल्टा को दिया जा चुका है। ज्योतिष विभाग संयोजक डॉ ब्रह्मानंद मिश्र व साहित्य विभाग प्राध्यापक डॉ सोमेश बहुगुणा ने संचालन व स्वागत किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटे 341 मामले, 2 करोड़ 11 लाख से अधिक की राशि पर हुआ समझौता

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर शनिवार 13 सितंबर को जनपद अल्मोड़ा सहित बाह्य एवं तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायालयों में 4 बेंच और बाह्य न्यायालयों के लिए 1 बेंच गठित की गई। जिला एवं सत्र न्यायालय अल्मोड़ा की बेंच संख्या 01 के समक्ष 2 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें से एक आपराधिक मामले का निस्तारण आपसी सुलह के आधार पर किया गया। परिवार न्यायालय अल्मोड़ा की बेंच संख्या 02 में वैवाहिक और पारिवारिक विवाद से जुड़े 9 मामलों का निपटारा हुआ। इनमें पक्षकारों के बीच कुल 3 लाख 70 हजार रुपये की समझौता राशि तय की गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अल्मोड़ा की बेंच संख्या 03 के समक्ष 87 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें 75 ट्रैफिक चालान, एक आपराधिक मामला और 11 चेक बाउंस से संबंधित वाद शामिल रहे। इन मामलों में कुल 22 लाख 42 हजार 689 रुपये की राशि सुलह समझौते के तहत तय हुई। सिविल जज (सी.डि.) अल्मोड़ा की बेंच संख्या 04 में 5 लंबित वाद और 220 बैंक प्री-लिटिगेशन मामलों का निपटारा हुआ। इनमें कुल 1 करोड़ 61 लाख 77 हजार 43 रुपये की राशि पर सहमति बनी।

राखी व दिया एथलीट में किया शानदार प्रदर्शन

नई टिहरी। राज्य स्तरीय एथलीट प्रतियोगिता में टिहरी जिले की दो खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। कक्षा 8 में अध्ययनरत दिया रमोला और कक्षा 9 वीं की राखी राणा के उत्कृट प्रदर्शन की बदौलत अब यह दोनों खिलाड़ी 22 से 25 सितम्बर तक यूपी के प्रयागराज में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। उत्तराखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में बीते दिनों देहरादून में हुई प्रतियोगिता में भिलंगना के जीआईसी घुमेटीधार की राखी राणा ने 60 मीटर लंबी कूद और हाई जंप में प्रथम स्थान प्राप्त कर जूनियर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया था। दिया रमोला ने किड्स जैवलिन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। व्यायाम शिक्षक उपेंद्र मैठाणी और कोच अमित बिजल्वाण की देखरेख यह खिलाड़ी अब नॉर्थ जोन के लिए तैयारी कर रही है।

लम्बगांव में बंदर ने सात वर्षीय बच्चे को किया घायल

नई टिहरी। नगर पंचायत लंबगांव मे बंदरों का आतंक थमने का नाम नही ले रहा है। जिससे नगर पंचायत निवासियों में भारी रोष व्याप्त है। रविवार को आतंकी बंदर ने एक सात वर्षीय बालक पर जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल बालक को इलाज के लिए सीएचसी चौंड में लाया गया। लंबगांव निवासी सुरेंद्र सिह राणा का 7 वर्षीय नाती आर्यन को सुबह करीब 11 बजे अपनी मां सहित परिवारजनों के साथ घर के आंगन में बैठा था, कि एक आंतकी बंदर ने अचानक बालक का पैर पकड़ लिया और उसे घसीटते हुए हमला कर दिया। इतने मे महिलाओं ने हो–हल्ला कर किसी तरह बालक को बंदर के चंगुल से बचाया। लेकिन बंदर बालक के पांव को बुरी तरह जख्मी कर दिया। जिसके बाद परिजन बच्चे को आनन–फानन में निकटस्थ सीएचसी चौंड में

इलाज के लिए ले गये। जहां पर डाक्टरों ने बच्चे का इलाज करते हुए एंटी रैबीज इंजेक्शन, टिटनेस के साथ ही जरूरी उपचार दिया। डा हर्ष वर्मा ने बताया कि बच्चे के पांव को बंदर ने बुरी तरह से घायल किया है। इलाज के बाद बच्चे को घर भेज दिया गया है। आतंकी बंदरों की इस तरह की घटना पर नगर पंचायत निवासियों ने गहरा रोष जाहिर करते हुए वन विभाग से आंतकी बंदरों से निजात दिलाने मांग की। व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजीव पंवार, पूर्व अध्यक्ष युद्धवीर राणा, कोषाध्यक्ष अमन राणा सहित नगर वासियों ने कहा कि नगर क्षेत्र मे बंदरों की बढ़ती संख्या से आतंक बढ़ रहा है। बंदर अब तक दर्जनों को काट चुके हैं। वन विभाग व नगर पंचायत से वनों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। रेंज अधिकारी हर्ष राम उनियाल ने कहा कि बंदरों को किसी भी हाल में खाद्य पदार्थ न दें। इससे बंदरों का आतंक और बढ़ेगा। बंदरों को पकड़ने व बधियाकरण की कार्यवाही की जा रही है।

जयन्त

संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338